हिंदी दैनिक

कलम की पहल

PRGI NO. UAHIN/25/A1323

वर्ष : 02 अंक : 148 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1 रूपए नैनीताल, सोमवार, 16 नवंबर, 2026

E-mail: kalamkipahaluk@gmail.com Website: kalamkipahal.com

वंचितों को वरीयता हमारी प्राथमिकता:पीएम मोदी



कुक्षी /धार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जनजातीय समाज ने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है। आज भारत अपने इतिहास को, अपने नायकों को स्वदेशी आत्मसम्मान के साथ याद कर रहा है। ये हमारी राष्ट्रीय चेतना में आए बदलाव का परिणाम है। धार के डही में रविवार को जनजातीय सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी बोले- वंचितों को वरीयता हमारी प्राथमिकता रही है। हमने 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बनाए, 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई। आयुष्मान योजना के माध्यम से 1 लाख 75 हजार से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए, जिनके जरिए दूरदराज के आदिवासी लोगों तक इलाज पहुंचा।

उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आज देशभर में 170 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण और 70 से अधिक प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया गया है। देश के अलग-अलग राज्यों में 30 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है। धार में वर्चुअली संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की दो बड़ी उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा- वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12-13 बरसों में भारत के 50 करोड़ लोग भीषण गरीबी से बाहर निकले हैं। ये आजादी के बाद देश की सबसे बड़ी उपलब्धि है। सरकार ने जनजातीय कल्याण के लिए जो फैसले लिए, जो योजनाएं बनाई, उसका ही ये परिणाम है। पीएम ने कहा कि देश की दूसरी उपलब्धि नक्सलवाद, माओवाद से मुक्ति है। 2014 से पहले देश के करीब सवा सौ जिले नक्सलवाद से पीड़ित थे। हर साल हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती थी। उस जमाने में सरकारों ने आदिवासी भाई-बहनों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। सब चुप रहते थे। उनको मतदान तक नहीं करने दिया जाता था। गरीब मां के सामने से उनके छोटे-छोटे बच्चों को नक्सलवादी छीनकर ले जाते थे। हमारे घर की बेटियों को उठा ले जाते थे। आज जब नक्सलवाद खत्म हुआ तो जनजातीय समाज की मां-बहनें हमें आशीर्वाद दे रही हैं।

जब मेट्रो में बोले डीके शिवकुमार- मेरे पास पैसे नहीं, पीएम मोदी ने स्वाइप किया कार्ड



बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की नई पिंक लाइन पर सफर के दौरान दिलचस्प बातचीत हुई. मेट्रो में सफर के दौरान शिवकुमार ने मजाक में कहा कि उनके पास टिकट खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं. इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने उनके टिकट का भुगतान भी अपने कार्ड से कर दिया. शिवकुमार ने शनिवार को इस पूरे वाकये का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा था कि आप मेरा टिकट खरीद दीजिए. इसके बाद मोदी ने अपना कार्ड स्वाइप कर उनका टिकट भी खरीद लिया.

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजनीति को चुनाव तक सीमित रखना चाहिए और विकास के मुद्दों को राजनीति से अलग रखना चाहिए. उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी भी चाहते हैं कि देश में विकास हो और इसके लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए.

कांग्रेस का 'चलो दिल्ली' कार्यक्रम टला, 26 नवंबर के लिए नया प्लान



नई दिल्ली। कांग्रेस ने 25 और 26 नवंबर को दिल्ली में होने वाले अपने 'चलो दिल्ली' कार्यक्रम को टाल दिया है। पार्टी अब 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर देशभर के सभी राज्यों की राजधानियों में 'संविधान रक्षा मार्च' निकालेगी। कांग्रेस सूत्रों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। पहले पार्टी ने संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में 'चलो दिल्ली' कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई थी, लेकिन अब इसे किसी दूसरी तारीख पर आयोजित किया जाएगा। हालांकि, कार्यक्रम की नई तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। कांग्रेस का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब विपक्षी दल चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे मतदाता सूची के स्ट्रक्र को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। इससे पहले 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन ने बड़ी रैली की थी। इसमें विपक्षी दलों ने मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों और SIR प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाई थी। रैली मिंटो रोड और कनॉट प्लेस के जंक्शन से शुरू होकर रामलीला मैदान पहुंची थी। यह प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 31 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित महाभियोग कार्यक्रम के एक दिन बाद हुआ था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए जा रहे हैं। रामलीला मैदान की रैली में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, सीपीआई नेता डी राजा, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए थे। रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह प्रदर्शन किसी एक राजनीतिक दल या नेता का नहीं, बल्कि देश की जनता की आवाज है।

14 दिन तक गड्ढे में फंसा रहा स्कूल शिक्षक, गंदा पानी पीकर बचाई जान; चरवाहे ने बचाई जान



ओडिशा । ओडिशा इन दिनों तूफान के बाद हुई तबाही से उभर रहा है। दो तूफानों की वजह से क्षेत्र के कई इलाकों में भूस्खलन और बाढ़ ने तबाही मचाई थी। अब इस पूरे घटनाक्रम के बाद एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां कंधमाल जिले में एक स्कूल शिक्षक 14 दिन पहले भूस्खलन की चपेट में आ गया था। 14 दिनों तक पहाड़ी के पास एक गड्ढे में फंसे रहने के बाद आखिरकार उसे बचा लिया गया है। ग्रामीणों की सहायता से बचाए गए पीड़ित की पहचान अभी नाजुक बताई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा घटनाक्रम ओडिशा के कंधमाल जिले का है। यहां इंद्रागढ पंचायत के एक स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक मोहन महाराणा 14 दिन पहले लापता हो गए थे। उनका पूरा परिवार उनकी खोज खबर में लगा हुआ था, लेकिन कहीं कोई जानकारी नहीं मिल रही थी।

इसी बीच भूस्खलन से प्रभावित डंगासी गांव की एक पहाड़ी के पास गड्ढे में एक चरवाहे ने हल्की सी आवाज सुनी। उसने जब देखा तो मोहन उसी गड्ढे में गिरा हुआ था। 14 दिन से भूखा प्यासा रहने की वजह से उसकी हालत बहुत खराब हो गई थी। चरवाहे ने तुरंत ही ग्रामीणों को मदद के लिए बुलाया। इसके बाद उसे बाहर निकाला गया। इसके बाद ग्रामीणों ने एक कामचलाऊ स्ट्रेचर बनाकर पैदल ही उन्हें 18 किलोमीटर दूर अस्पताल ले गए। यहां उनका इलाज किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 29 अक्तूबर को तूफान के प्रभाव की वजह से कंधमाल जिले के कई इलाकों में भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाएं हो रही थीं। डंगासी गांव में भी एक बड़ा भूस्खलन हुआ, इसकी वजह से एहतियात के तौर पर सभी ग्रामीण दूसरे गांव की तरफ जाने लगे। इसमें मोहन महाराणा भी शामिल थे। इसी दौरान वह एक भूस्खलन में फंसकर गड्ढे में गिर गए।

अभिजीत दीपके का साथ देने वाले सोनम वांगचुक नजरबंद, 60 दिनों तक घर में कैद रहेंगे



श्रीनगर। सामाजिक कार्यकर्ता और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) आंदोलन में अभिजीत दीपके का साथ देने वाले सोनम वांगचुक को 60 दिनों के लिए नजरबंद कर दिया गया है। रैलियों या जुलूसों में हिस्सा लेने पर रोक लगा दी गई है। लेह के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने यह आदेश जारी किया है। आपको बता दें कि 4 दिसंबर को लद्दाख में काउंसिल चुनाव होने वाले हैं। प्रशासन ने पुलिस की एक रिपोर्ट के आधार पर उन पर पाबंदियां लगाने का अनुरोध किया था। मजिस्ट्रेट ने वांगचुक की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए BNSS की धारा 163 का इस्तेमाल किया है। आदेश में कहा गया है, 'यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और 60 दिनों तक प्रभावी रहेगा। '

लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद के चुनाव के लिए 4 दिसंबर को वोटिंग होने वाली है। सोनम वांगचुक और अन्य स्थानीय नेताओं ने चुनावों के समय का विरोध किया है।

क्या है पूरा विवाद?

2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में यह पहला बड़ा चुनाव होने जा रहा है। सोनम वांगचुक और स्थानीय संगठनों का कहना है कि दिसंबर में लद्दाख में भीषण ठंड पड़ती है और बड़ी संख्या में लोग खासकर छात्र और कामगार अस्थायी रूप से बाहर चले जाते हैं। ऐसे में चुनाव कराने से हजारों मतदाता वोट डालने से वंचित रह जाएंगे। वहीं, लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने सर्दियों में चुनाव कराने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रशासन मतदान केंद्रों पर हीटर की व्यवस्था करेगा और बुजुर्गों के लिए अलग कतारें लगाई जाएंगी।

उन्होंने कहा, 'लद्दाख में स्कूल आमतौर पर 15-16 दिसंबर तक खुले रहते हैं। जब बच्चे इस मौसम में स्कूल जा सकते हैं, तो वयस्कों को वोट डालने के लिए बाहर निकलने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बने 12 साल, 4 आने के भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं: अमित शाह



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को महाराष्ट्र के पुणे में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल को भ्रष्टाचार से मुक्त बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 10 साल के शासन में 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले और भ्रष्टाचार हुए, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 12 साल में उन पर 4 आने के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा। शाह ने कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया।

अमित शाह ने कांग्रेस पर लगातार तीन लोकसभा चुनाव हारने के बाद अपनी निराशा अलग-अलग तरीकों से जाहिर करने का आरोप भी लगाया। शाह ने कहा कि चुनाव में हार और जीत किसी पार्टी के नेताओं के प्रदर्शन पर निर्भर करती है। कांग्रेस को देश की जनता ने 10 साल तक शासन करने का मौका दिया था, लेकिन उसके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करने से कांग्रेस को सत्ता नहीं मिलने वाली है। अगर राहुल गांधी सत्ता में आना चाहते हैं तो उन्हें विदेश यात्राएं छोड़कर देश के गांवों में जाना चाहिए और आम लोगों से जुड़ना चाहिए।

गृह मंत्री शाह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सलाह देते हुए कहा कि अगर वे राहुल गांधी के इसी रास्ते पर चलते रहे तो अगले 30 साल तक भी उनकी सत्ता में वापसी नहीं होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ भारत की विकास यात्रा को भी बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि दुनिया प्रधानमंत्री के नेतृत्व की तारीफ कर रही है।

अमित शाह ने हैदराबाद में हाल ही में हुए 'भारत समिट 2026' को लेकर भी कांग्रेस पर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस कार्यक्रम में देश और विदेश से वामपंथी विचारधारा के समर्थकों को बुलाया था। राहुल गांधी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत विरोधी विचार रखकर देश की छवि खराब करने का काम किया। शाह के ये बयान ऐसे समय आए हैं, जब शनिवार को हैदराबाद में आयोजित भारत समिट के दौरान राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और देश की चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि 2014 में भारत का लोकतंत्र खत्म कर दिया गया और उस साल देश में चुनाव का तरीका पूरी तरह बदल गया।

IAS विवेक आर्य और IPS अदिति सिंह ने की शादी



पंचकूला। प्रशासनिक सेवा के दो युवा अधिकारी पंचकूला के एडीसी (अतिरिक्त उपायुक्त) आईएएस विवेक आर्य और डीसीपी आईपीएस अदिति सिंह रविवार को विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए. दादरी से पंचकूला पहुंची बारात का भव्य स्वागत किया गया और शिवालिक कंट्री क्लब में दोपहर को आयोजित एक गरिमामय एवं सादगीपूर्ण समारोह में दोनों अधिकारियों ने आर्य समाज की वैदिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लिए.

शादी पर पुष्पवर्षा की गई : फूलों से सजे मंच पर क्रीम रंग की शेरवानी पहने विवेक आर्य और लाल रंग के पारंपरिक जोड़े में सजीं अदिति सिंह ने जैसे ही एक-दूसरे को वरमाला पहनाई, वहां मौजूद परिजनों और अतिथियों ने उन पर पुष्पवर्षा की. जयमाला की रस्म पूरी होते ही आईएएस विवेक आर्य ने पत्नी अदिति सिंह का हाथ ऊपर उठाकर खुशी का इजहार किया और इस खास पल का जश्न मनाया, जिसे देख समारोह में मौजूद सभी मेहमानों ने तालियां बजाकर नवदंपती को शुभकामनाएं दीं.

वीआईपी मेहमानों और वरिष्ठ अधिकारियों ने की शिरकत : इस गरिमामय एवं सादगीपूर्ण विवाह समारोह में प्रदेश की राजनीति और प्रशासन से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां नवदंपती को आशीर्वाद देने पहुंचीं. समारोह में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. अजय सिंघल विशेष रूप से शामिल हुए.

भोपाल में इंदौर वाला खतरा! नल के पानी में मिला जानलेवा ई-कोली, 200 परिवारों ने पीना बंद किया, 1 की मौत का दावा



भोपालः मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के वैशाली नगर में नल से आ रहे पानी में खतरनाक ई-कोली बैक्टीरिया मिला है. रहवासियों ने खुद सैंपल लेकर MP प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्टेट लैब में जांच कराई. यह वही बैक्टीरिया है, जिसने इंदौर के भागीरथपुरा में 30 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी.

पहली रिपोर्ट 28 अक्टूबर को आई. इसमें 100 मिली पानी में 660 MPN ई-कोली मिला, जबकि पीने के पानी में ये 0 होना चाहिए. पानी में गंदलापन 5.9 NTU मिला, जबकि लिमिट 5 NTU है. दूसरी रिपोर्ट 13 नवंबर को आई. इसमें फिर 350 MPN ई-कोली मिला. मतलब ई-कोली कन्फर्म है. कॉलोनी में एक शख्स की मौत भी हुई है. परिजनों का आरोप है कि प्रदूषित पानी ने ही उनकी जान ली. वैशाली नगर में 16 दिनों के अंदर दूसरी बार नल के पानी में ई-कोली बैक्टीरिया मिला है.

भारतीय तेज गेंदबाजों ने बरपाया कहर, न्यूजीलैंड को रौंदकर भारत ने 3-1 से जीती सीरीज



माउंट माउंगानुई । माउंट माउंगानुई में भारत ने न्यूजीलैंड को पांचवें वनडे मैच में 22 रन से हराकर सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली, पांचवें वनडे में भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की और कीवी बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया. भारत की ओर से सभी तेज गेंदबाजों ने कहर बरपाया और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को उन्हीं के घर पर करारी शिकस्त दी. भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लेने में सफल रहे. अर्शदीप के अलावा मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल को 2 विकेट मिले. वहीं, आकिब नबी, यश ठाकुर, और नमन धीर 1-1 विकेट लेने में सफल रहे. बता दें कि भारत ने न्यूजीलैंड को 210 रन का टारगेट दिया था जिसके बाद कीवी टीम 187 रन ही बना सकी. भारतीय टीम पांचवां वनडे मैच 22 रन से जीतने में सफल रही. न्यूजीलैंड की ओर से डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए.

माउंट माउंगानुई में पांचवां वनडे मैच जीतकर भारतीय टीम सीरीज 3-1 से जीतने में सफल रही. भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज अपने नाम की है. भारत ने आखिरी बार न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज साल 2019 में 4-1 से जीती थी.

इससे पहले भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन पर सिमट गई है, न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था. पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत एक बार फिर खराब रही. रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में असफल रहे. रोहित 7 रन और विराट 5 रन बनाकर आउट हुए.

भ्रष्टाचार के खिलाफ कांग्रेस ने किया संघर्ष का शंखनाद, हस्ताक्षर अभियान के जरिए जनता को जोड़ने की पहल

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, मुख्यमंत्री धामी जवाबदेही तय करें : सुमित हृदयेश

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। भ्रष्टाचार के खिलाफ जनजागरण और जनभागीदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से आज नारीमन चौराहा, काठगोदाम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, काठगोदाम एवं हल्द्वानी महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान का विधिवत शुभारंभ हल्द्वानी के विधायक माननीय श्री सुमित हृदयेश ने अपने हस्ताक्षर कर किया।



इस अवसर पर विधायक सुमित हृदयेश ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उत्तराखंड में भ्रष्टाचार अब एक गंभीर जनसमस्या बन चुका है। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का दावा करती है, लेकिन हकीकत यह है कि सरकार में बैठे लोगों और मंत्रियों पर ही गंभीर आरोप लग रहे हैं। सरकार को इन आरोपों पर जवाब देना होगा और जनता के सामने सच्चाई रखनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या पर उनके पति द्वारा लगभग 210 करोड़ रुपये की कथित अवैध संपत्ति अर्जित करने और भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप लगाए गए हैं। जब किसी मंत्री पर उनके ही परिवार के सदस्य इतने गंभीर आरोप लगा रहे हों, तो यह सामान्य मामला नहीं रह जाता। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए। आखिर भाजपा सरकार कब तक भ्रष्टाचार के सवालों से बचती रहेगी? प्रदेश की जनता को आरोपों की सच्चाई जानने और जवाबदेही तय होने का पूरा अधिकार है।

विधायक ने आगे कहा कि भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अनियमितता नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता के विश्वास, अधिकारों और भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सरकारी धन जनता की मेहनत की कमाई है, जिसका उपयोग जनकल्याण और विकास के कार्यों में होना चाहिए, न कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का एकादश दीक्षांत समारोह 18 नवम्बर को, 36 शिक्षार्थियों को मिलेंगे स्वर्ण पदक

राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन होंगे मुख्य अतिथि, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत विशिष्ट अतिथि के रूप में करेंगे शिरकत

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी का एकादश दीक्षांत समारोह आगामी 18 नवम्बर, 2026 को आयोजित किया जाएगा। समारोह में उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ढाल सिंह बिसेन मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। उत्तराखण्ड सरकार के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।



समारोह में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (ह्वष्ट) के अध्यक्ष एवं उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव दीक्षांत उद्बोधन प्रदान करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विद्या परिषद एवं कार्य परिषद के सदस्यगण भी उपस्थित रहेंगे।

दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा 36 शिक्षार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रख्यात प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय विशेषज्ञ तथा भारतीय रेल सेवा (1980 बैच) के सेवानिवृत्त अधिकारी अश्वनी लोहनी को मानद उपाधि प्रदान की जाएगी। उन्होंने भारतीय रेल बोर्ड के अध्यक्ष, एयर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा भारतीय पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करते हुए रेलवे, विमानन एवं पर्यटन क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विश्व की सबसे पुरानी चालू भाप इंजन रेलगाड़ी 'फेयरी क्वीन' के पुनरुद्धार एवं संचालन के लिए उन्हें गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान प्राप्त हुआ। चार अभियांत्रिकी विधाओं में डिग्री-समकक्ष योग्यताएँ अर्जित करने के लिए उनका नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। वर्तमान में वे नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय सोसाइटी के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के अंतर्गत अध्ययन पूर्ण करने वाले कुल 14,857 शिक्षार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएँगी। समारोह में सहभागिता के लिए अब तक कुल 292 शिक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि एकादश दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण अवसर है।

एक नजर

राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान-5 के तहत 16 नवंबर को आयोजित होगा पेंशन जागरूकता शिविर

के.के.पी संवाददाता/बागेश्वर। राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान-5 के अंतर्गत जनपद के राज्य पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों की सुविधा एवं जागरूकता के उद्देश्य से 16 नवंबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे तहसील सभागार, बागेश्वर में पेंशन जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र (Digital Life Certificate) जमा करने की प्रक्रिया, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान, आयकर तथा स्त्राॅस्त योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर के माध्यम से पेंशनरों को डिजिटल सेवाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देने के साथ ही उनकी पेंशन संबंधी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। अतः जनपद के समस्त राज्य पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों से अपील है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर शिविर में प्रतिभाग कर इसका अधिकाधिक लाभ उठाएं।

केसरवानी सम्मान समारोह एवं खेल महोत्सव का आयोजन



के.के.पी संवाददाता/हल्द्वानी। केसरवानी सम्मान समारोह एवं खेल महोत्सव का आयोजन परिणय वाटिका बैंकट हॉल नियर ट्रांसपोर्ट नगर रामपुर रोड हल्द्वानी में किया गया है 7 जिसमे केसरवानी समाज की महिलाओं एवं बच्चों पुरुषों ने मन से खेल में हिस्सा लिया और खूब आनंद लिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथिविधायक वंशीधर भगत ,सुमित हृदयेश ,मोहन सिंह बिष्ट और सांसद दिनेश आर्य , मेयर प्रत्याशी रहे ललित जोशी शामिल हुए इनका बहुत बहुत आभार है ।इस कार्यक्रम में केसरवानी समाज के सभी बुजुर्गो का अभिनंदन एवं सम्मान स्मरण चिह्न देकर किया गया ।इन बुजुर्गो में मांगतराम गुप्ता , बद्री प्रसाद, राम दुलारे ,अयोध्या प्रसाद ,सरयू देवी ,बाबूलाल केसरवानी ,हरिश्चंद्र केसरवानी ,का सम्मान हुआ ।केसरवानी समाज के कुछ प्रतिभाओं का डॉक्टर सीए सीएस का भी सम्मान स्मरण चिह्न देकर किया गया*।इनमे डॉ शिवानी गुप्ता , सीए अमन केसरवानी , डॉ राहुल गुप्ता, डॉ अंकिता गुप्ता और डॉ कीर्ति केसरवानी , ईशा केसरवानी , डॉ पूजा केसरवानी , देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री राजकुमार केसरवानी ,का सम्मान किया गया । इस कार्यक्रम में उत्तराखंड केसरवानी वैश्य सभा अध्यक्ष भोलानाथ केसरवानी महामंत्री सुरेश केसरवानी केसरवानी महिला समिति की अध्यक्ष कुसुमलता केसरवानी ,महामंत्री मीरा केसरवानी, कोषाध्यक्ष शालिनी गुप्ता मौजूद रही ।

चम्पावत के ग्रामीण संपर्क मार्गों के लिए 6.14 करोड़ स्वीकृत, चालू वित्तीय वर्ष में खर्च होंगे 5 करोड़

मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत शासन ने दी वित्तीय और प्रशासनिक मंजूरी

हर कार्यस्थल पर लगेगा सूचना बोर्ड, तीन माह में भेजी जाएगी प्रगति रिपोर्ट

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए शासन ने चम्पावत विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण संपर्क मार्गों से जुड़े कार्यों के लिए 6 करोड़ 14 लाख 1 हजार रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इसमें से 5 करोड़ रुपये चालू वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री घोषणा मद से खर्च करने की मंजूरी दी गई है। यह धनराशि जिलाधिकारी के माध्यम से कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्राम्य विकास विभाग से जुड़ी इस घोषणा के तहत प्रस्तावित कार्यों का जनपद स्तरीय तकनीकी समिति ने परीक्षण किया था, जिसमें कुल 9 करोड़ 94 लाख 17 हजार



रुपये की धनराशि औचित्यपूर्ण पाई गई थी। इसके सापेक्ष मुख्यमंत्री की संस्तुति पर शासन ने 6 करोड़ 14 लाख 1 हजार रुपये स्वीकृत किए हैं।

संपर्क मार्गों के कार्य पूरे होने पर ग्रामीणों को रोजमर्रा के आवागमन में सुविधा मिलेगी और बाजार, विद्यालय व स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने और छोटे व्यापारियों को सामान लाने-ले जाने में भी सहूलियत होगी। शासनादेश के अनुसार स्वीकृत धनराशि का लेखा जिलाधिकारी मनीष कुमार के स्तर पर रखा जाएगा और कार्यों की प्रगति की समीक्षा होगी। हर तीन माह में प्रगति रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय के घोषणा अनुभाग को भेजी जाएगी। काम शुरू करने से पहले विस्तृत आगणन और मानचित्र पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति ली जाएगी तथा धनराशि का आहरण वास्तविक जरूरत के अनुसार किस्तों में होगा।

कार्यदायी संस्था तय समय-सारिणी में काम पूरा करने के लिए जिम्मेदार होगी। हर कार्यस्थल पर स्थायी सूचना बोर्ड लगेगा, जिस पर घोषणा संख्या, कार्य का नाम, लागत, कार्य शुरू और पूरा होने की तिथि तथा कार्यदायी संस्था व ठेकेदार का नाम दर्ज होगा, ताकि लोगों को अपने क्षेत्र के कार्यों की पूरी जानकारी मिल सके।

राज्यमंत्री भावना मेहरा ने सुनी महिलाओं की समस्याएं, मौके से अधिकारियों को दिए निर्देश

के.के.पी संवाददाता

भीमताल। उत्तराखंड आवास सलाहकार परिषद की उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री) भावना मेहरा ने ओखलकांडा ब्लॉक के काला आगर एवं क्वैराला

क्षेत्र का भ्रमण कर महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं क्षेत्रीय जरूरतों की जानकारी ली महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए भावना मेहरा ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन पर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुवे समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए कहा भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें अधूरी पड़ी सड़क को लेकर भी जानकारी दी जिसपर उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली और सड़क निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए लोक निर्माण विभाग के सचिव से वार्ता करने की बात कही उन्होंने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान करना और विकास



कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता है इस दौरान महिलाओं ने पेयजल समेत विभिन्न स्थानीय समस्याओं को उनके सामने रखा राज्यमंत्री को अपने बीच पाकर महिलाओं ने खुलकर अपनी बात रखी महिलाओं ने कहा कि एक महिला होने के नाते एक महिला ही उनकी भावनाओं और परेशानियों को बेहतर ढंग से समझ सकती हैं। इस दौरान प्रदीप बिष्ट शेर सिंह राम सिंह कमल सिंह पूरन सिंह आदि सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व मातृ शक्ति उपस्थित रही।

ठांटा के ऐतिहासिक दूधाधारी भगवती मेला स्थल का होगा सौंदर्यीकरण, 97.10 लाख स्वीकृत

मेला परिसर में बनेगी दर्शक दीर्घा और ध्यान केंद्र, पहली किस्त में 58.26 लाख जारी

के.के.पी संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के तहत लोहाघाट विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत ठांटा में ऐतिहासिक दूधाधारी भगवती मेला स्थल का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मेला परिसर में दर्शक दीर्घा और ध्यान केंद्र का निर्माण भी होगा। शासन ने इन कार्यों के लिए 97.10 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी है। चालू वित्तीय वर्ष में पहली किस्त के रूप में 58.26 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं, जो कुल लागत का 60 प्रतिशत है। दर्शक दीर्घा बनने से मेले के दौरान स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को बैठकर कार्यक्रम देखने की सुविधा मिलेगी। वहीं ध्यान केंद्र में श्रद्धालुओं को ध्यान के लिए निर्धारित स्थान उपलब्ध होगा। सौंदर्यीकरण के साथ इन



सुविधाओं के विकसित होने से ऐतिहासिक मेला परिसर में आने वाले लोगों के लिए बेहतर व्यवस्था हो सकेगी। पंचायतीराज विभाग से संबंधित मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 587/2026 के तहत ये कार्य कराए जाएंगे। शासनादेश के अनुसार पहली किस्त की धनराशि जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी जाएगी, जो निर्धारित शर्तों के अनुसार इसे कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराएंगे।

सारथी फाउंडेशन समिति ने नन्हे-मुन्ने बच्चों के संग मनाया बाल दिवस

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। बाल दिवस के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सारथी फाउंडेशन समिति ने प्राइमरी पाठशाला बमोरी नगर के नन्हे-मुन्ने बच्चों के संग बाल दिवस बड़े धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके बाद संस्था द्वारा बच्चों को खेलने के लिए कैरम, लूडो, शतरंज, फुटबॉल, पजल और छोटे बच्चों को छोटी बॉल प्रदान की गई। साथ ही बच्चों को चॉकलेट, चिप्स आदि के पैकेट बनाकर दिए गए। सभी चीजों को पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष नवीन पंत ने कहा कि हर वर्ष बच्चे इस दिन का इंतजार करते हैं और हमें भी बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने की ललक रहती है। हम अपने को बहुत सौभाग्यशाली समझते हैं कि हमें



बच्चों को खुशी देने का अवसर मिला। इसके लिए हम स्कूल की प्रधानाचार्या चम्पा पुरोहित जी का बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करते हैं।

स्कूल की प्रधानाचार्या चम्पा पुरोहित ने सारथी फाउंडेशन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब से सारथी संस्था ने स्कूल में कदम रखा है, तभी से बच्चों में बाल दिवस के प्रति ज्यादा रुचि रही है और बच्चे भी वर्ष भर इस दिन का इंतजार करते हैं। सारथी संस्था को मैं दिल से धन्यवाद करती हूँ कि आप आए और आपने बच्चों को सुंदर उपहार दिए।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव ज्ञानेंद्र जोशी ने किया।

आज के कार्यक्रम अध्यक्ष नवीन पंत, सचिव ज्ञानेद्र जोशी, सीऐ सरोज आनंद जोशी,योगेश पांडे, गिरीश चन्द्र लोहनी, प्रदीप सबरवाल,अनूप कुमार, , हेमा जोशी, गीता बेलवाल,भावना जोशी, भावना पांडे,रंजना जोशी संतोष गौड़ आदि उपस्थित रहे।

कुमाउंनी को 8वीं अनुसूची में डालने की उठी हुंकार, 40 लोग सम्मानित

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ाः 18वां राष्ट्रीय कुमाउंनी सम्मेलन के दूसरे रोज रविवार को वक्ताओं ने कुमाउंनी भाषा व संस्कृति के विकास व संरक्षण पर खासा जोर देते हुए इसके लिए एकजुट प्रयासों की जरूरत बताई। कुमाउंनी भाषा के आठवीं अनुसूचित में शामिल नहीं होने की पीड़ा प्रमुखता से उठी। एक राय से आगामी चुनाव में 'कुमाउंनी भाषा नहीं, तो वोट नहीं' के नारे के साथ दबाव बनाने का संकल्प लिया गया। वहीं, 'दुदबोलि (कुमाउंनी) बचाओ अभियान' का श्रीगणेश करते हुए इसका पोस्टर लांच किया गया।

सम्मेलन के दूसरे दिन कुमाउंनी भाषा और युवा पीढ़ी, कुमाउंनी के विकास में महिलाओं की भूमिका पर मंथन हुआ। मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री कुंदन लटवाल ने चिंता जताई कि घरों में नई पीढ़ी व बच्चों से कुमाउंनी में वार्तालाप बंद हो रही है। उन्होंने कहा कि कुमाउंनी के उत्थान के लिए जब भी जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर चलने की जरूरत होगी, तो वे



कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एनएस भंडारी ने कहा कि जो समाज अपनी भाषा व संस्कृति से कटता है, तो वह पिछड़ जाता है। उन्होंने कहा कि घर से कुमाउंनी बचाने के प्रयास शुरू होने चाहिए। घरों से ही बच्चों को अपनी मातृभाषा से जोड़ना जरूरी है, तभी प्रयास अवश्य सफल होंगे। मानस कालेज पिथौरागढ़ के चेयरमैन डा. अशोक पंत ने कहा कि सालों से कुमाउंनी को आठवीं अनुसूचि में शामिल करने की मांग उठ रही है और कुमाउंनी भाषा में काफी कार्य भी हो रहा है, लेकिन अफसोसजनक है कि उत्तराखंड को 26 साल होने के बाद भी आज तक प्रदेश सरकार ने आठवीं अनुसूचि में लाने के लिए कोई प्रस्ताव पास नहीं किया। नई शिक्षा नीति में व्यवस्था होने के बाद भी इस क्षेत्रीय भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने सीधे कहा कि इस चुनाव में 'भाषा नहीं तो वोट नहीं' के नारा दिया जाए, जिसमें मौजूद लोगों ने हामी भरी। उन्होंने दबाव बनाने के लिए आंदोलन को जरूरी बताया।

जिला पंचायत अध्यक्ष हेमा गैड़ा ने भी कुमांउनी को आगे बढ़ाने व आठवीं अनु?सूचि में शामिल करने पर जोर दिया। उक्रांद नेता दिनेश कुंजवाल ने पुरानी परंपराओं व संस्कृति का संरक्षण जरूरी है और पलायन रोकना होगा। तभी अपनी मातृभाषा भी बचेगी। अध्यक्षता करते हुए युवा संघर्षशील नेता एवं संयोजक मंडल सदस्य विनय किरौला ने कहा कि कुमाउंनी भाषा की सरकार उपेक्षा कर रही है, जबकि उत्तराखंड में कुमाउंनी व गढ़वाली मातृभाषा हैं और 8वीं अनुसूचि में शामिल करने की लगातार मांग उठ रही है। इसके बावजूद मान्यता नहीं मिल रही है। किरौला ने सुदूरवर्ती गांवों में मौजूद कुमाउंनी संस्कृति, परंपराओं व रहन सहन को साहित्य में लाने की जरूरत बताई। इनके अलावा युवा गौरव कांडपाल, हिमांशु जोशी, कुमाउंनी ब्लागर ज्योति भट्ट, अमित भट्ट, मंजू कांडपाल, स्वाति नयाल आदि ने अपने विचार रखे और कहा कि मौजूदा युग में डिजिटल माध्यम व गूगल एप के जरिये से कुमाउंनी को आगे बढ़ाने में काफी मदद? मिल सकती है। उन्होंने पलायन को रोका जाना भी जरूरी बताया और संगीत को भी भाषा व संस्कृति को बचाने में अहम् बताया। समारोह में अल्मोड़ा के विधायक मनोज तिवारी ने भी शिरकत की और उन्होंने सम्मान प्रदान किए। महिला गोष्ठी में कुमाउंनी को बचाने में महिलाओं की भूमिका को अहम् बताया गया। दूसरे दिन भी सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्व?लन से हुआ। इस मौके पर सूचना विभाग की ओर से ग्रुप लीडर बिमला बोरा की टीम ने शगुन आंखर, सरस्वती वंदना प्रस्तुत की और अतिथियों को बैच अलंकरण किया गया। दो दिनी सम्मेलन के दौरान कुल 40 लोगों को सम्मानित किया गया। संचालन करते हुए कुमाउंनी भाषा न्यास के सचिव एवं पहरू के संपादक डा. हयात सिंह रावत ने कहा कि सभी राजनैतिक दलों को भाषा संस्कृति को भी मुद्दा बनाना चाहिए और अपने चुनावी घोषणा पत्र में इसे शामिल करना चाहिए। संचालन में डा. पूरन चंद्र जोशी ने भी सहयोग दिया। खबर लिखे जाने तक सम्मेलन के आखिरी पड़ाव में कुमाउंनी कवि सम्मेलन जारी था।

किसे मिला कौन सा सम्मान

ज्योतिषाचार्य पंडित जयदेव अवस्थी कुमाउंनी भाषा सेवी सम्मानः– लक्ष्मण सिंह ऐठानी- पूर्व शिक्षा अधिकारी, डा. बीएस बिष्ट- पूर्व कुलपति, ब्लागर अमित भट्ट व ज्योति भट्ट खुल्बे।

वैद्य कल्याण सिंह बिष्ट कुमाउंनी संस्कृति सेवी सम्मानः– मनोज चंदोला- दिल्ली (फिल्म), केएन पांडेय- दिल्ली (नाटक, अभिनय, निर्देशन), कमल नयन- धारचूला (लोक संगीत व गायन), भास्कर भौर्याल- बागेश्वर (लोक वाद्य)। बहादुर सिंह बनौला कुमाउंनी साहित्य सेवी सम्मानः– आनंद बल्लभ पपनै- हल्द्वानी, नवीन चंद्र जोशी- लखनउ, डा. उमा भट्ट- नैनीताल, डा. नागेश शाह- लखनउ, नारायण राम बानठोकी- भीमताल।

इन्हें मिला वार्षिक पुरस्कार

शेर सिंह बिष्ट 'अनपढ़' कविता पुरस्कार- राजेंद्र रावत।
बहादुर बोरा 'श्रीबंधु' कथा साहित्य पुरस्कार- कौस्तुबानंद चंदोला।
मुन्नी जोशी स्मृति कुमाउंनी साहित्य पुरस्कार- माया रावत।
राम सिंह लोधियाल कुमाउंनी साहित्य पुरस्कार- गोविंद बल्लभ बहुगुणा।
गंगा अधिकारी स्मृति कुमाउंनी साहित्य पुरस्कार- डा. पीतांबर अवस्थी।
दलीप सिंह खेतवाल स्मृति कर्मवीर पुरस्कार- मंजू आर साह।

विविध विधाओं में लेखन पुरस्कारः– कृतिका बिष्ट, सपना बिष्ट, ममता बिष्ट, पवनेश ठकुराठी, डा. कुंदन रावत, दीपा पांडे, गीता खोलिया, सुमन बुधलाकोटी, हेम दूबे, शिवदत्त पांडे, जनार्दन चिलकोटी, विनोद पंत, मुन्नी पंत, डा. राजीव जोशी, आनंद सिंह बिष्ट, डा. अर्चना जोशी, गिरीश चंद्र जोशी, राजेश्वरी पांडे, डा. कुंदन रावत, मीनू जोशी।

14 (क) में 76 पर करें टिक

अल्मोड़ाः कुमाउंनी सम्मेलन में दूसरे दिन दुदबोली (कुमाउंनी) बचाओ अभियान का पोस्टर लांच करते हुए मानस कालेज पिथौरागढ़ के चेयरमैन डा. अशोक पंत ने सभी का आह्वान किया इस अभियान से जुड़ें और जनगणना 2027 में मातृभाषा कालम में कुमाउंनी के लिए 14 (क) में 76 पर टिक अवश्य करें।

सम्मेलन में कुमाउंनी में सब कुछ

अल्मोड़ाः दो दिवसीय राष्ट्रीय कुमाउंनी सम्मेलन की खासियत रही कि इसमें सभी संबोधन कुमाउंनी भाषा में हुए। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, संचालक और अन्य सभी वक्ता सिर्फ कुमाउंनी में ही बोले। इसके अलावा भोजन की व्यवस्था में कुमाउंनी व्यंजन ही शामिल रहे।

पहाड़ के गांव उजड़े तो कमजोर होगी देश की सुरक्षा, प्रवासियों से डॉ. मेहता की दोटूक

बोले– सिर्फ पहाड़ की तारीफ से नहीं बदलेगी तस्वीर, अपनी माटी में लौटकर गांवों को आबाद करना होगा

के.के.पी संवाददाता

चंपावत। पहाड़ के गांव वीरान हो रहे हैं और हम अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। यह सिर्फ पलायन की समस्या नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और पहाड़ की अस्मिता से जुड़ा गंभीर सवाल है। देहरादून में आयोजित प्रवासी सम्मेलन में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के सीईओ एवं सेक्रेटरी जनरल डॉ. रंजीत मेहता ने पहाड़ की पीड़ा को बेबाकी से सामने रखा। उन्होंने प्रवासियों से अपनी जन्मभूमि के लिए जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। डॉ. मेहता ने कहा कि पहाड़ के लोगों की पहचान अभाव नहीं, बल्कि संघर्ष से उपजी ताकत है। मडुवे की रोटी, लाल चावल और भट्ट की चुड़काणी खाकर पली पीढ़ियों ने दुनिया को दिखाया है कि सीमित संसाधन भी बड़े सपनों की राह नहीं रोक सकते। आज दुनिया मोटे अनाज की अहमियत समझ रही है, जबकि पहाड़ की माताएं सदियों से इसके पोषण और गुणों से परिचित रही हैं। उन्होंने कहा कि



पहाड़ की नदियों ने समुद्र तक पहुंचने के लिए किसी से रास्ता नहीं पूछा। इसी तरह पहाड़ के युवाओं ने गांव के छोटे स्कूलों से निकलकर अपनी मेहनत, ईमानदारी और संघर्ष के बूते देश-दुनिया में पहचान बनाई। सेना में सेवा और देश के लिए बलिदान पहाड़ की पीढ़ियों की विरासत रही है। मां और दादी का आशीर्वाद-'बेटा, मेरे दूध की लाज रखना' पहाड़ के युवाओं के भीतर राष्ट्रप्रेम का सबसे बड़ा संस्कार रहा है। डॉ. मेहता ने कहा कि विदेशों और महानगरों में ऊंचे मुकाम हासिल करने वाले प्रवासी अपनी जन्मभूमि को न भूलें। गांवों के पुराने मकानों को संवारें, त्योहारों पर लौटें और बच्चों को अपनी बोली-भाषा तथा संस्कृति से जोड़ें। उन्होंने कहा कि पहाड़ के लाल चावल, मोटे अनाज और अन्य प्राकृतिक उत्पादों में इतनी विशिष्टता है कि उन्हें सही ब्रांडिंग और बाजार मिले तो वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल सकते हैं।

डीएम मनीष के काम को बताया वापसी की उम्मीदट्ठ

उन्होंने चंपावत के जिलाधिकारी मनीष कुमार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि किसान के बेटे ने प्रशासनिक जिम्मेदारी को जमीन से जोड़कर निभाया है। रोजाना 15 से 16 घंटे काम कर उन्होंने जनता और प्रशासन के बीच भरोसा मजबूत किया है। उनके प्रयासों से पलायन कर चुके लोग अपनी माटी की ओर लौटकर गांवों में नई संभावनाएं तलाश रहे हैं। जिले में सैकड़ों लोगों का गांवों में लौटकर नई शुरुआत करना सकारात्मक बदलाव का संकेत है। डॉ. मेहता ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्रवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स चंपावत के नियोजन और विकास में सरकार को पूरा सहयोग देगा। उन्होंने चेताया कि जब देश सोता है, तब पहाड़ के लोग सीमाओं की रक्षा में जागते हैं। ऐसे में पहाड़ के गांवों का खाली होना राष्ट्रीय चिंता का विषय है। गांव बचेंगे तभी संस्कृति बचेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और सीमाओं पर आबादी का भरोसा कायम रहेगा। अब जरूरत पहाड़ के प्रति भावनात्मक लगाव जताने की नहीं, बल्कि अपनी माटी के लिए जिम्मेदारी निभाने की है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली की विशेष प्रतिवेदक ने हल्द्वानी में बाल सुधार गृह, विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी व नारी निकेतन का किया स्थलीय निरीक्षण

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली की विशेष प्रतिवेदक शोमिता विश्वास ने रविवार को हल्द्वानी स्थित जिला प्रोबेशन कार्यालय, बाल सुधार गृह, विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी एवं नारी निकेतन का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान विशेष प्रतिवेदक ने सभी संस्थानों में रह रहे बच्चों एवं महिलाओं से बातचीत कर उनके रहन-सहन, भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा सुविधा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संस्थानों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, साफ-सफाई, स्टाफ की उपस्थिति, अभिलेखों के रख-रखाव तथा बच्चों के पुनर्वास एवं दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया की भी विस्तृत समीक्षा की।



विशेष प्रतिवेदक शोमिता विस्वास ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थानों में निवासरत बच्चों एवं महिलाओं को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं, उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

उन्होंने अभिलेखों को अद्यतन रखने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी वर्षा आर्या बाल सुधार गृह अधीक्षक विनोद डालाकोटी विशेष दत्तक ग्रहण समन्यवक अंजलि नेगी नारी निकेतन अध्यापिका पवनजीत बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश चंद कांडपाल चाइल्ड हेल्पलाइन समन्यवक किरण पंत बीना, सुरेंद्र व प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

18 नवंबर को लोहाघाट में कांग्रेस की रैली, प्रदेश प्रभारी और नेता प्रतिपक्ष करेंगे संबोधित





विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के आवास पर तैयारी बैठक, कार्यकर्ताओं ने कसी कमर

रामलीला मैदान में सुबह 10 :30 बजे जुटेंगे कार्यकर्ता

के.के.पी संवाददाता

लोहाघाट। कांग्रेस की उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा, सह प्रभारी मनोज यादव और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य 18 नवंबर को लोहाघाट के रामलीला मैदान में रैली को संबोधित करेंगे। रैली को लेकर क्षेत्रीय विधायक खुशाल सिंह अधिकारी के नेतृत्व में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। पार्टी इसे आगामी विधानसभा चुनाव के लिहाज से अहम मान रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं।

विधायक आवास पर नगर अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह कोटियाल की अध्यक्षता और ब्लॉक अध्यक्ष चांद बोहरा के संचालन में तैयारी बैठक हुई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पहली बार सीमांत क्षेत्र में आ रहीं पार्टी की प्रदेश प्रभारी का जोरदार स्वागत किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष चांद बोहरा और नगर अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह कोटियाल ने बताया कि लोहाघाट विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सुबह 10:30 बजे रामलीला मैदान में एकत्र होंगे। उन्होंने दावा किया कि यह क्षेत्र की अब तक की सबसे बड़ी रैली होगी।

बैठक में वरिष्ठ कार्यकर्ता भगीरथ भट्ट, डॉ. महेश ढेक, जिला पंचायत सदस्य अशोक महरा, शैलेंद्र राय, कैलाश देव, जितेंद्र शाह, बृजेश मेहरा और प्रदीप देव आदि ने विचार रखे। उन्होंने रैली में पूरा अनुशासन और गरिमा बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि बाहर से आने वाले अतिथि यहां के लोगों का अनुशासन देख सकें।

विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने कहा कि रैली को लेकर लोगों में भारी उत्साह है और विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से लोग इसमें शामिल होंगे। सैकड़ों कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में लगे हैं और सभी कार्यकर्ता एकजुट हैं।

स्थाई राजधानी गैरसैण के लिए हल्द्वानी में निकली जागरूकता रैली

के.के.पी संवाददाता

हल्द्वानी। स्थाई राजधानी गैरसैण आंदोलन का आज 29वां दिन है। आंदोलन के 29वें दिन आंदोलनकारियों ने पूर्व आईएएस विनोद प्रसाद रतूड़ी के नेतृत्व में हल्द्वानी बाजार में जागरूकता रैली निकाली।

रैली के दौरान आंदोलनकारियों ने कहा कि राज्य की स्थाई राजधानी होना बहुत जरूरी है, जिसके लिए जनता को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज यह रैली निकाली गई।

आंदोलनकारियों ने कहा, गैरसैण उत्तराखंड पहाड़ी राज्य की आत्मा है। सरकार अगर वहां बैठेगी तो विकसित पहाड़ी राज्य उत्तराखंड का सपना साकार होगा।

पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि राज्य निर्माण के लिए 43 शहादतें हुईं, मगर राज्य की हालत बद से बदतर हो चुकी है। आज राज्य में



लोग पलायन करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। गैरसैण स्थाई राजधानी ही पहाड़ के स्थाई विकास का समाधान है।

राज्य आंदोलनकारी गोपाल दत्त कोठारी और दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरु ने कहा कि राज्य बनाने के लिए गोलियां-डंडे खाए, सपना देखा था कि एक बेहतर उत्तराखंड होगा, मगर राज्य सरकारों ने सपनों को चकनाचूर कर दिया है। आज एक बार फिर राज्य आंदोलनकारियों को एकजुट होने की आवश्यकता है। रैली में राज्य आंदोलनकारी रामेश्वर शर्मा, ललित मोहन जीना, अनिल बहुगुणा, प्रेमा मेर, विनोद कुमार घड़ियाल ने भी संबोधित किया। आज 29वें दिन क्रमिक अनशन में पहाड़ी आर्मी की गीता बिष्ट और हरेंद्र राणा बैठे। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो आमरण अनशन पर बैठने के लिए भी मजबूर होंगे। राज्य सरकार राज्य की स्थाई राजधानी तुरंत घोषित करे। रैली के दौरान जिलाध्यक्ष राजेंद्र कांडपाल, कविता जीना, महेश तिवारी, अंजू पांडे, प्रेमा मेर, आनंद राम, देवेंद्र सयालाकोटी, मोहन पाठक, अनिल बहुगुणा, दीपा बोरा, ललित मोहन जीना, बसंती देवी, मोहन बोरा, सूबेदार रमेश रावत, आनंद कनियाल, कैलाश डालाकोटी, डी.के. दानी, दीपिका मांगोली, शशि सिंह, तारा पंडित, महेश भट्ट, मोहनी देवी, हयात सिंह रावत, शकुंतला, हरीश नाथ आदि दर्जनों लोग शामिल रहें।

भगवान कार्तिकेय के जन्मोत्सव पर गूंजा निरंजनी अखाड़ा, संतों ने दिया धर्म-संस्कृति की रक्षा का संदेश

तेरहों अखाड़ों के संत–महंतों ने की शिरकत, पंच स्नान के बाद हुआ भव्य श्रृंगार, महाआरती और आतिशबाजी से भक्तिमय हुआ माहौल

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में रविवार को इष्टदेव भगवान कार्तिकेय के जन्मोत्सव पर आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। गुरु छठ उत्सव के तहत आयोजित भव्य कार्यक्रम में तेरहों अखाड़ों के संत-महंतों ने शिरकत की। भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा का पंच स्नान कराने के बाद भव्य श्रृंगार किया गया और फूलों से सजाया गया। महाआरती के दौरान पूरा अखाड़ा परिसर भगवान कार्तिकेय के जयकारों से गूंज उठा। उत्सव के समापन पर भव्य आतिशबाजी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत डॉ. रविंद्र पुरी महाराज के सानिध्य में हुआ। उन्होंने देशभर से पहुंचे संत-महंतों का अभिनंदन करते हुए भगवान कार्तिकेय के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं।



जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज ने कहा कि भगवान कार्तिकेय शक्ति, साहस, ज्ञान और धर्म के प्रतीक हैं। सनातन परंपरा में देवताओं के जन्मोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को अपनी संस्कृति और संस्कारों से जोड़ने का माध्यम भी हैं। संत समाज का दायित्व है कि वह नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति के मूल्यों से परिचित कराए। निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने कहा कि भगवान कार्तिकेय ने अधर्म के विरुद्ध संघर्ष और धर्म की स्थापना का संदेश दिया। उनके जीवन से समाज को साहस, संयम और राष्ट्र व धर्म के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है। ऐसे आयोजनों से सनातन परंपराएं मजबूत होती हैं।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत डॉ. रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के इष्टदेव भगवान कार्तिकेय का जन्मोत्सव संत परंपरा और सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा कि संत समाज सदैव धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए समाज का मार्गदर्शन करता रहा है। युवा पीढ़ी को अपनी गौरवशाली सनातन परंपराओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी, महामंडलेश्वर स्वामी करौली शंकर महाराज एवं मुखिया महंत भगतराम ने कहा कि सनातन धर्म-संस्कृति की रक्षा के साथ अखाड़े विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग की सेवा में भी योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर आनंद अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरि महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद, नया अखाड़ा के मुखिया महंत भगतराम, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक महामंडलेश्वर करौली शंकर महाराज, निरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरि, श्रीमहंत दिनेश गिरि,मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री महंत राजगिरि,श्री महंत बालवीर गिरि,दिगंबर सतीश वन,दिगंबर धनंजय गिरि, महंत ऋषिश्वरानंद महाराज, श्रीमहंत दर्शन भारती महाराज, महंत रवि पुरी सहित बड़ी संख्या में संत-महंत मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मेयर किरण जैसल, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, सीडीओ डॉ. ललित नारायण मिश्र, एसपी दीपक सिंह,रामानंद इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉक्टर मयंक गुप्ता,एमडी मनुज उनियाल,भोला शर्मा,समेत अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान कार्तिकेय के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। आतिशबाजी के साथ जन्मोत्सव कार्यक्रम का समापन हुआ।

उपजिलाधिकारी को दी विदाई, पूर्व जिला सहकारी बैंक निदेशक नरेंद्र नेगी ने भी की कार्यशैली की सराहना

के.के.पी संवाददाता

सतपुली। स्थानांतरण के बाद चैबट्टाखाल एवं सतपुली उपजिलाधिकारी रेखा आर्य को सतपुली क्षेत्र से भावुक माहौल में विदाई दी गई। उनके कार्यकाल में जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों के साथ बेहतर समन्वय, जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और जनहित में किए गए कार्यों को याद करते हुए भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में पोखड़ा और एकेश्वर ब्लॉक के प्रमुखों सहित दो दर्जन से अधिक जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया। समारोह में ब्लॉक प्रमुख पोखड़ा संजय गुसाईं, ब्लॉक प्रमुख एकेश्वर पंकज बिष्ट और जिला सहकारी बैंक पौड़ी गढ़वाल के पूर्व निदेशक नरेंद्र सिंह नेगी ने एसडीएम रेखा आर्य की कार्यशैली की सराहना की। उन्होंने कहा कि रेखा आर्य ने अपने कार्यकाल के दौरान क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए हमेशा तत्परता दिखाई। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर उन्होंने जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी। उनके सरल व्यवहार और जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता को क्षेत्रवासी लंबे समय तक याद रखेंगे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उन्हें सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एसडीएम रेखा आर्य ने कहा कि सतपुली में कार्यकाल के दौरान उन्हें जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग और स्नेह मिला। यहां के लोगों के साथ बिताए अनुभव हमेशा उनकी स्मृतियों में रहेंगे।

क्षेत्रीय विधायक के पीआरओ द्वारा स्थानीय युवक से मारपीट का मामला गरमाया

देवप्रयाग। जनपद टिहरी गढ़वाल के जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग ने क्षेत्रीय विधायक विनोद कंडारी के पीआरओ द्वारा स्थानीय युवक के साथ मारपीट मामले में सार्वजिनक रूप से माफी मांगने की मांग की। स्पष्ट किया कि अगर ऐसा नहीं होता है तो कांग्रेस प्रदर्शन करेगी। साथ ही पिथौरागढ़ में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक को बोलने का अवसर न दिए जाने पर आक्रोश भी व्यक्त किया। आज देवप्रयाग कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तम असवाल ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर सवाल खड़े किए। कहा कि आम जनता को योजनाओं का लाभ मिलने के बजाय भाजपा संगठन से जुड़े लोगों को लाभ मिल रहा है। उत्तम असवाल ने बीते दो नवंबर को वाहन टक्कर के बाद विधायक पीआरओ द्वारा युवक के साथ कथित मारपीट पर भी आक्रोश व्यक्त किया।

पद्मश्री डॉ. ललित पाण्डेय का निधन, पर्यावरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में छोड़ी अमिट छाप, आज ही उनका था जन्मदिन

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। उत्तराखंड में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, ग्रामीण विकास और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पद्मश्री डॉ. ललित पाण्डेय का निधन हो गया है। वह 78 वर्ष के थे। बेस अस्पताल में उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। दुखद संयोग रहा कि जिस दिन उनका निधन हुआ, उसी दिन उनका जन्मदिन भी था। उनके निधन की खबर से सामाजिक, शैक्षिक और पर्यावरणीय क्षेत्र में शोक की लहर है। डॉ. ललित पाण्डेय ने अपना जीवन पहाड़ और यहां के समाज के विकास के लिए समर्पित कर दिया था। आईआईटी दिल्ली, एमआईटी और पर्ड्यू विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने विदेशों में उपलब्ध अवसरों को छोड़कर वर्ष 1984 में अल्मोड़ा लौटने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्होंने उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में रहकर समाज के बीच काम करना शुरू किया। उत्तराखंड सेवा निधि के माध्यम से उन्होंने पर्यावरण शिक्षा को विद्यालयों तक पहुंचाने के साथ ही ग्रामीण पुस्तकालयों और बालवाड़ियों की स्थापना, महिला सशक्तीकरण, जल एवं स्वच्छता, वनीकरण, कृषि और ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके प्रयासों


फोटो फाइल

से उत्तराखंड के सैकड़ों गांवों और ग्रामीण समुदायों को लाभ मिला। जमीनी स्तर पर उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए वर्ष 2007 में उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें आईआईटी दिल्ली के विशिष्ट पूर्व छात्र सम्मान से भी सम्मानित किया गया था। उनके कार्यों ने पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. ललित पाण्डेय के निधन पर उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के संयोजक पीसी तिवारी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. पाण्डेय का पूरा जीवन समाज, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित रहा। उनके विचार और समाज के प्रति योगदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। डॉ. ललित पाण्डेय का निधन उत्तराखंड के सामाजिक, शैक्षिक और पर्यावरणीय क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने कार्यों से साबित किया कि पहाड़ में रहकर भी स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर व्यापक सामाजिक बदलाव की नींव रखी जा सकती है। श्री पांडे के निधन पर विधायक मनोज तिवारी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी एडवोकेट केवल सती पूर्व विधायक कैलाश शर्मा,उत्तराखंड क्रांति दल के दिनेश कुंजवाल डॉ जैसी दुर्गा पाल,विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ लक्ष्मीकांत डा, रमेश पांडेय राजन , कर्नल रवि पांडे सहित आदि लोगों ने शोक व्यक्त किया।

पद्मश्री डॉ. ललित पांडे को राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

अल्मोड़ा। जिला में पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं शिक्षाविद् डॉ. ललित पांडे को आज स्थानीय विश्वनाथ घाट पर पूरे राजकीय सम्मान और 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनकी चिता को उनके पुत्र आशीष और अभिषेक ने नम आंखों से मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा और घाट पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उपस्थित रहे। डॉ. ललित पांडे के निधन से पूरे उत्तराखंड और पर्यावरण जगत में शोक की लहर है। ज्ञातव्य हो कि पिता स्वर्गीय भैरव दत्त पांडे (आईसीएस, पूर्व कैबिनेट सचिव, और पूर्व पश्चिम बंगाल और पंजाब के पूर्व राज्यपाल आईसीएस बीडी पांडे के दूसरे बेटे थे। उनके बड़े भाई अरविंद पांडे सेल के चेयरमैन रहे जबकि भाभी मृणाल पांडे जानी मानी साहित्यकार व पत्रकार हैं। पांडे अपने पीछे दो पत्नी अनुराधा पांडे पुत्र अभिषेक व आशीष को छोड़ गए हैं।

लमगड़ा में शक्ति केंद्र सम्मेलनों में संगठन मजबूती और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर जोर

के.के.पी संवाददाता

अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रदेशभर में आयोजित किए जा रहे शक्ति केंद्र सम्मेलनों के क्रम में रविवार को लमगड़ा मंडल के विभिन्न शक्ति केंद्रों में सम्मेलन आयोजित किए गए। सम्मेलनों में राज्य निर्माण में भाजपा की भूमिका, उत्तराखंड की 26 वर्षों की विकास यात्रा, संगठनात्मक मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गई। लमगड़ा मंडल के कपकोट, सिरसौड़ा और जलना शक्ति केंद्रों में मुख्य वक्ता माधव सिंह बिष्ट ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कौमारी शक्ति केंद्र में गौधन सिंह भैसोड़ा और भटखोला शक्ति केंद्र में



दीपक पांडे ने विचार रखे। सभी सम्मेलनों की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हरीश सिजवाली ने की। माधव सिंह बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण का सपना वर्षों के संघर्ष और असंख्य आंदोलनकारियों के त्याग एवं बलिदान से साकार हुआ। राज्य की 26 वर्षों की यात्रा में भाजपा ने विकास, सुशासन और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को प्रत्येक गांव और घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। गौधन सिंह भैसोड़ा ने कहा कि भाजपा की ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत संगठनात्मक ढांचा है। शक्ति केंद्र और बूथ संगठन की महत्वपूर्ण इकाइयां हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के साथ उनकी समस्याओं को सुनना और समाधान के लिए प्रयास करना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। दीपक पांडे ने कहा कि उत्तराखंड ने 26 वर्षों में विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। भाजपा ने प्रदेश के विकास, सांस्कृतिक पहचान और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी है। कार्यक्रम के मंडल प्रभारी मनीष कुमार जोशी ने कहा कि शक्ति केंद्र सम्मेलन केवल एक संगठनात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को एक साझा लक्ष्य और संकल्प से जोड़ने का माध्यम हैं।

संपादकीय

लोकसभा का चुनाव वेध या अवैध?

भारत की राजनीति में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। अभी तक कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलकर एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे थे। लेकिन अब राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और वैध नहीं था। यह आरोप भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती बनकर सामने आया है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर के कथित दुरुपयोग, मतदाताओं की संख्या में बदलाव, मतदान प्रतिशत के आंकड़ों और चुनाव आयोग के सिस्टम के केंद्रीकरण जैसे मुद्दे प्रमाणों के साथ उठाए हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट और सामने आए विभिन्न प्रमाणों का हवाला देते हुए आरोप लगाया। चुनाव से पहले ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदाता सूची और चुनावी आंकड़ों में हेरफेर की गई थी। उनका दावा है, चुनावी व्यवस्था में बदलाव करके परिणामों को प्रभावित किया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और न्यायिक पुष्टि नही है। भाजपा और चुनाव आयोग की ओर से इन आरोपों पर तथ्यात्मक जवाब देखकर राहुल गांधी के आरोपों का अब सार्वजनिक रूप से खंडन करना होगा। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया, भाजपा ने 2014 के बाद से चुनाव जीतने के लिए अरबों रुपये खर्च किए। एसआईआर के माध्यम से लगभग 14 करोड़ मतदाताओं के मतदान का अधिकार छीन लिया है।

सवाल यह है कि यदि मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और चुनाव परिणामों को लेकर संदेह पैदा होता है, तो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कैसे कायम रहेगा? दूसरी ओर, किसी चुनाव को अवैध घोषित करना केवल राजनीतिक आरोप से संभव नहीं है। इसके लिए संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया में ठोस प्रमाण भी आवश्यक हैं। इस पूरे विवाद का दूसरा पहलू देश में बदलता राजनीतिक वातावरण है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के चुनावी प्रदर्शन ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी थी। अब महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, बढ़ते कर्ज और रोजमर्रा की आर्थिक परेशानियों ने आम आदमी की चिंताएं बढ़ाई हैं। जिस अच्छे दिन की उम्मीद के साथ जनता ने मोदी जी को समर्थन दिया था, वह उम्मीद और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच अंतर को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। नोटबंदी, जीएसटी और विभिन्न करों का बोझ भी आम जनता की चर्चा का विषय बन चुका है। पहले प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ और उनके प्रति दिखाई देने वाला विश्वास, भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत था। अब विभिन्न मुद्दों पर जनता के आंदोलन और विरोध यह संकेत देते हैं, मतदाता पहले की तुलना में अधिक सवाल पूछ रहा है। जो स्वाभाविक परिवर्तन का संकेत है। राहुल गांधी की राजनीति में पिछले कुछ समय में राजनीतिक तौर पर आक्रामकता और सक्रियता बढ़ी है। वे अब केवल कांग्रेस की राजनीतिक विरासत के सहारे नहीं, बल्कि चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और आम आदमी के अधिकारों जैसे मुद्दों को लेकर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विदेशी मंचों और हाल ही में हैदराबाद की भारत समिट में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने से यह बहस राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर भी पहुंचने लगी है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और कार्यपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण होती है। इन संस्थाओं पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। आरोपों की निष्पक्ष जांच और प्रमाणों के आधार पर जवाब देना भी सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए उतना ही आवश्यक है। 2024 के लोकसभा चुनाव को वैध या अवैध बताने का अंतिम निर्णय राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अनुसार ही हो सकता है।

मोदी से आखिर क्या कहना चाहते हैं राहुल गांधी?

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच राजनीतिक टकराव कोई नई बात नहीं है। पिछले कई वर्षों से दोनों नेताओं के बीच विचारों, नीतियों और राजनीतिक दृष्टिकोण को लेकर संघर्ष जारी है। लेकिन जब राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी को आमने-सामने सार्वजनिक बहस की चुनौती देते हैं, तो यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर राहुल गांधी मोदी से क्या कहना चाहते हैं? क्या वे प्रधानमंत्री से देश के ज्वलंत मुद्दों पर सीधे जवाब मांग रहे हैं, या फिर इस चुनौती के माध्यम से अपनी राजनीतिक भूमिका और विपक्ष की प्रासंगिकता को नए सिरे से स्थापित करना चाहते हैं? दरअसल, भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद की अपनी एक महत्वपूर्ण परंपरा रही है। संसद वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है, जहां सरकार से सवाल पूछे जाते हैं, नीतियों की समीक्षा होती है और देश के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाती है। लेकिन जब संसद के भीतर बहस को लेकर असंतोष व्यक्त करते हुए विपक्ष का प्रमुख नेता प्रधानमंत्री को सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बहस की चुनौती देता है, तो यह केवल दो नेताओं के बीच व्यक्तिगत मुकाबला नहीं रह जाता, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। राहुल गांधी लगातार केंद्र सरकार को रोजगार, महंगाई, किसानों की समस्याओं, सामाजिक न्याय, चीन के साथ सीमा विवाद, चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता जैसे मुद्दों पर घेरते रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार कई महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने से बचती है और विपक्ष की आवाज को पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। विशेष रूप से चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर राहुल गांधी ने सवाल उठाए हैं। हालांकि इन आरोपों को लेकर राजनीतिक मतभेद हैं और उनके समर्थन में प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणों की स्वतंत्र जांच भी महत्वपूर्ण है।

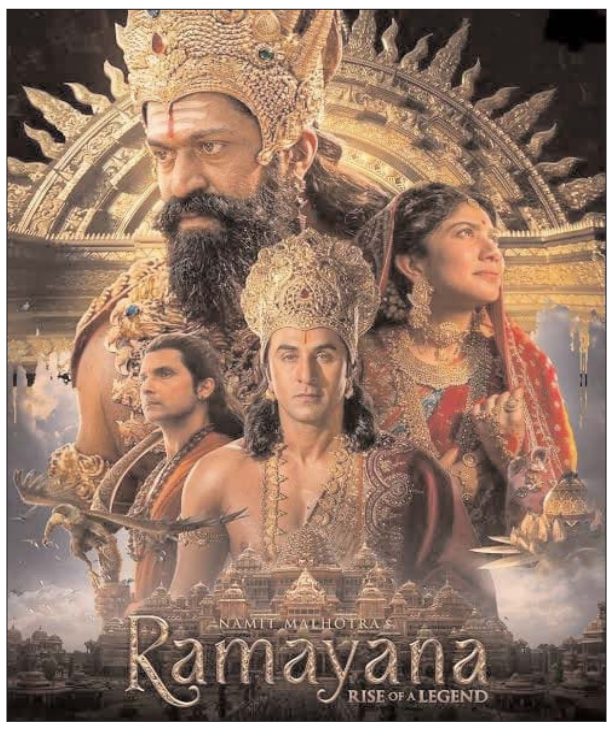
राहुल गांधी की बहस की चुनौती को इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि में समझना होगा। वे संभवतः यह संदेश देना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री देश के सबसे बड़े राजनीतिक पद पर हैं, इसलिए उनसे देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सीधे सवाल पूछे जाने चाहिए। उनका तर्क है कि लोकतंत्र में प्रधानमंत्री भी सवालों से ऊपर नहीं हो सकते। जनता ने सरकार को शासन करने का अधिकार दिया है, लेकिन उसी जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए।दूसरी ओर, भाजपा और सत्तापक्ष का दृष्टिकोण इससे अलग है। भाजपा नेताओं का कहना है कि संसद लोकतांत्रिक बहस का उचित मंच है और विपक्ष को वहीं अपनी बात रखनी चाहिए। सत्तापक्ष का यह भी तर्क रहा है कि राजनीतिक आरोप लगाने के बजाय विपक्ष को तथ्यों और प्रमाणों के साथ अपनी बात सामने रखनी चाहिए। इस प्रकार बहस की मांग के साथ ही यह प्रश्न भी खड़ा होता है कि क्या राजनीतिक संवाद संसद तक सीमित रहना चाहिए या देश के सामने खुले मंच पर भी ऐसी बहस होनी चाहिए?

यहां एक महत्वपूर्ण बात समझने की जरूरत है। प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता के बीच सार्वजनिक बहस भारतीय संसदीय व्यवस्था की अनिवार्य संवैधानिक प्रक्रिया नहीं है।

फिल्म रामायण जैसा हमने समझा

राम के भव्य चित्रण की नहीं आदर्श की आवश्यकता है---

डा.ओ.पी. मिश्र



भारतीय जनमानस में प्रभु श्री राम के प्रति गजब की आस्था है, इतनी गजब की आस्था है कि भारत के लोग राम का किरदार निभाने वाले कलाकार के सार्वजनिक रूप से पैर छूने में भी संकोच नहीं करते। इतनी गजब की आस्था है कि सरकार बना देती है लेकिन आस्था पर जब कुठाराघात होता है तो भाजपा का सांसद तक नहीं बनने देता। अब जब पुनः हिंदू जनमानस की भावना चंदा चोरी को लेकर आहत हुई है तो देखना होगा कि 2027 के चुनाव में भगवान राम किस रूप में प्रकट होते हैं ।

रामानंद सागर की रामायण के राम (अरुण गोविल) या फिर इस समय सिनेमाघर में नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण के राम रणबीर कपूर। पिछले रविवार को मैं भी अपने एक सहयोगी के साथ रामायण देखने गया था यकीनन 1987 में बनी रामानंद सागर की धारावाहिक रामायण जो चौराहों को खामोश कर देती थी। लोग अपना सारा काम छोड़कर टीवी के सामने जम जाते थे महिलाएं टीवी की आरती उतारती थी, फूल माला चढ़ती थी। लेकिन नितेश तिवारी की रामायण में यथार्थ का अभाव तथा कलात्मकता का स्पष्ट प्रभाव देखने को मिला। उस रामायण और इस रामायण की तुलना अगर मुझे करनी हो तो मैं तो यही कहूंगा कि तमाम भव्यता पर सादगी हावी रही। क्योंकि राम को पर्दे पर दिखाना आसान है, किन्तु राम के आदर्शों के अनुरूप समाज निर्माण हो पाए यकीनन मुश्किल है। क्योंकि जो राम को लाए थे भव्य मंदिर में उंगली पड़कर टहलाए थे, वह राम के आदर्शों का समाज निर्माण नहीं कर पाए। क्योंकि भारतीय समाज में राम केवल एक धार्मिक चरित्र नहीं बल्कि वह मर्यादा, त्याग, आदर्श, परिवार व पारिवारिक जिम्मेदारी और सामाजिक नैतिकता के प्रतीक हैं । ऐसे में अगर हम 2026 की नई रामायण का जिक्र करें जिसका पहला भाग अभी आया है तो पता चलता है कि नितेश तिवारी ने इसे आधुनिक सिनेमाई तकनीक, विशाल सेट, अंतरराष्ट्रीय स्तर के विजुअल इफेक्ट और बड़े कलाकारों के माध्यम से प्रस्तुत किया है। रामानंद सागर के राम यानी अरुण गोविल जो मेरठ से भाजपा सांसद हैं, इस नई फिल्म मे भी है लेकिन राम के रूप में नहीं बल्कि राजा दशरथ के रूप में। फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण इसका दृश्य विस्तार है। फिल्म में लंका, देवताओं, असुरों और पौराणिक संसार का आधुनिक तकनीक से जीवित करने का प्रयास किया गया है। ताकि इस फिल्म को कोई पसंद करें या ना करें लेकिन जेन जी जरूर समझ सके । लेकिन यहां एक सवाल उठता है कि क्या किसी पौराणिक कथा की महानता उसके विजुअल इफेक्ट और बजट से निर्धारित होती है। मेरे विचार से इसका उत्तर नहीं है। रामानंद सागर की रामायण में अरुण गोविल का अनुभव अत्यंत सहज और मर्यादित था। उनका चेहरा संवाद और व्यवहार राम के पारस्परिक आदर्श के स्वरूप के अनुरूप दिखाई देता था। नई फिल्म में रणबीर कपूर ने राम के चरित्र को गंभीरता और संयम के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास जरूर किया है लेकिन वह बात नहीं आई है।

इसमें जहां तक मैं समझ पा रहा हूं सबसे बड़ा अंतर भावना बनाम प्रदर्शन का है। रामानंद सागर की रामायण में तकनीकी कमियां थी, युद्ध के दृश्य सीमित थे लेकिन उस प्रस्तुति में एक भावनात्मक जुड़ाव था।दर्शक राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान को केवल कलाकारों के रूप में नहीं देखते थे। जबकि दूसरी और आधुनिक रामायण दर्शकों को एक भव्य पौराणिक संसार में ले जाने का प्रयास करती है। ऐसे में यहां यह समझना जरूरी है की भव्यता और भावनात्मक गहराई दोनों अलग-अलग चीज है। आज राम भारतीय राजनीति की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक प्रतीकों में शामिल है। और भाजपा इसे अपना कॉपीराइट मानती है। इसलिए जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को अयोध्या जाकर प्रभु राम के दर्शन की बात कही तो भाजपा और सत्ता प्रतिष्ठान बिलबिला उठा। क्योंकि उसे लग रहा है कि सनातनी हिंदू संघ के हिंदू और हिंदुत्व में सेंध लगाने की कोशिश कर रहा है। वैसे मेरा मानना है की रामायण अथवा राम को किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं बनाया जानना चाहिए राम का चरित्र किसी पार्टी, सरकार या चुनाव से कहीं बड़ा है। वैसे नई फिल्म का एक सकारात्मक पक्ष यह है, कि वह युवा पीढ़ी को रामायण की कथा पर जोड़ सकती है। आज के जेन जी और जेन अल्फा आधुनिक दृश्य माध्यमों से अधिक प्रभावित होते हैं।

लेखक लखनऊ के वरिष्ठ समीक्षक व लेखक हैं

राष्ट्रीय प्रेस दिवस : लोकप्रियता की होड़ में पत्रकारिता की जिम्मेदारी का सवाल

कुमार कृष्णन



पत्रकारिता का उद्देश्य लोकप्रिय होना है या जिम्मेदार होना? यह सवाल आज भारतीय मीडिया के सामने पहले से कहीं अधिक गंभीर रूप में उपस्थित है। जिस दौर में खबरों की विश्वसनीयता से ज्यादा उनकी पहुंच, तथ्य से ज्यादा उनकी सनसनी और जनहित से ज्यादा दर्शकों की संख्या को महत्व दिया जाने लगा है, उस दौर में पत्रकारिता के मूल चरित्र पर विचार करना जरूरी हो गया है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस इसी आत्ममंथन का अवसर है।

16 नवंबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना से जुड़ा है। भारतीय प्रेस परिषद ने इसी दिन 1966 में काम करना शुरू किया था। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखना था। प्रेस की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों और मीडिया संस्थानों का अधिकार नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के जानने के अधिकार और लोकतंत्र की मजबूती से भी जुड़ी हुई है।

इस वर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस की घोषित विषयवस्तु पत्रकारिता : लोकप्रियतावादी या जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण बहस को सामने रखती है। यह विषय मीडिया के सामने खड़े उस द्वंद्व की ओर संकेत करता है, जिसमें एक तरफ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने और लोकप्रियता हासिल करने का दबाव है, तो दूसरी तरफ तथ्यों, निष्पक्षता, जवाबदेही और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जिम्मेदारी है। पत्रकारिता में लोकप्रियता अपने आप में कोई दोष नहीं है। जनता के बीच स्वीकार्यता हासिल करना किसी भी समाचार माध्यम की स्वाभाविक आकांक्षा हो सकती है। लेकिन जब लोकप्रियता हासिल करने के लिए खबरों को तोड़ा-मरोड़ा जाने लगे, तथ्यों की जगह भावनाओं को और विवेक की जगह उत्तेजना को प्राथमिकता मिलने लगे, तब पत्रकारिता अपने मूल दायित्व से भटकने लगती है। लोकप्रियता और लोकप्रियतावाद के बीच यही बुनियादी अंतर है। लोकप्रिय पत्रकारिता जनता के सवालों को आवाज देती है, जबकि लोकप्रियतावादी पत्रकारिता कई बार जनता की भावनाओं का इस्तेमाल अपने व्यावसायिक या दूसरे हितों के लिए करती है। लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका केवल घटनाओं की सूचना देना नहीं है। उसका काम उन घटनाओं के पीछे छिपे कारणों को सामने लाना, नीतियों के प्रभाव का विश्लेषण करना और सत्ता से जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, पत्रकार का दायित्व उसके कामकाज की जांच करना है। सत्ता की उपलब्धियों को सामने लाना जितना जरूरी है, उसकी विफलताओं और जनविरोधी फैसलों पर सवाल उठाना भी उतना ही आवश्यक है। पत्रकारिता का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उसने किस राजनीतिक पक्ष को प्रसन्न किया, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि उसने जनता के हित में कितने असुविधाजनक सवाल उठाए।

आज समाचार माध्यमों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अखबारों और पत्रिकाओं के साथ टेलीविजन, समाचार पोर्टल, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया ने सूचना के संसार को व्यापक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन से सूचना प्रसारित कर सकता है। इससे अभिव्यक्ति के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन सूचना की विश्वसनीयता की चुनौती भी बढ़ी है। पहले खबरों के प्रकाशन और प्रसारण के लिए संपादकीय प्रक्रिया, तथ्य-जांच और संस्थागत जिम्मेदारी की व्यवस्था होती थी। डिजिटल माध्यमों में कई बार बिना पुष्टि की सूचना भी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है।

इस स्थिति में पत्रकारिता और सूचना प्रसारण के बीच अंतर समझना जरूरी है। हर वायरल संदेश खबर नहीं होता और हर लोकप्रिय वीडियो पत्रकारिता नहीं होता। पत्रकारिता में सूचना की पुष्टि, संदर्भ की समझ, संबंधित पक्षों का दृष्टिकोण और तथ्यों के प्रति ईमानदारी आवश्यक है। सोशल मीडिया पर किसी घटना का अधूरा वीडियो देखकर निष्कर्ष निकालना आसान है, लेकिन पत्रकार का काम उस घटना की पूरी पृष्ठभूमि तलाशना है। उसे यह देखना होता है कि वीडियो कब का है, कहां का है, उसमें क्या छूटा हुआ है और उससे संबंधित दूसरे तथ्य क्या हैं।

लोकप्रियता की होड़ ने समाचारों की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित किया है। किसी गांव में पेयजल का संकट, किसी आदिवासी बस्ती में विस्थापन का भय, किसी किसान की फसल का नुकसान, किसी मजदूर की मजदूरी का सवाल या किसी अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी शायद बड़े समाचार माध्यमों के लिए आकर्षक विषय न हों। इसके बावजूद ये खबरें करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ी हैं। दूसरी ओर, किसी चर्चित व्यक्ति का बयान, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप या मनोरंजन जगत की छोटी-सी घटना घंटों तक चर्चा में रहती है। सवाल यह नहीं है कि ऐसी खबरें प्रकाशित या प्रसारित क्यों होती हैं, बल्कि सवाल यह है कि क्या जनजीवन के बुनियादी प्रश्नों को पर्याप्त जगह मिल रही है?

पत्रकारिता की जिम्मेदारी का सबसे बड़ा परीक्षण उन लोगों के सवालों पर होता है, जिनकी आवाज सत्ता और बाजार के गलियारों तक आसानी से नहीं पहुंचती। आदिवासी, दलित, किसान, मजदूर, महिलाएं, अल्पसंख्यक और समाज के कमजोर तबके अक्सर विकास की मुख्यधारा की चर्चाओं में उपस्थित तो रहते हैं, लेकिन अपने सवालों को स्वयं रखने का अवसर उन्हें कम मिलता है। जिम्मेदार पत्रकारिता को इन समुदायों को केवल आंकड़ों या खबरों का विषय नहीं बनाना चाहिए, बल्कि उनकी अपनी आवाज और अनुभवों को जगह देनी चाहिए। विकास की परियोजनाओं की चर्चा हो तो उसके लाभ के साथ विस्थापन, पर्यावरण और आजीविका पर पड़ने वाले प्रभावों की भी पड़ताल होनी चाहिए।

इसी तरह, पत्रकारिता का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। उसे विपक्ष, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, उद्योगों और प्रभावशाली संस्थाओं से भी सवाल करने चाहिए।

दुनिया के नफ़रती शासकों के लिये सन्देश हैं अमेरिकी उपचुनाव

तनवीर जाफ़री

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेज़ेनटेटिव्स पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है।रिपब्लिकन पार्टी के दोनों सदनों में बहुमत खोने के बाद अब ट्रंप के शेष कार्यकाल के लिए अमेरिका में विभाजित सरकार की स्थिति बन गई है। 13 नवंबर 2026 तक घोषित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ऊपरी सदन यानी 100 सीटों वाली यूएस सीनेट ने 55 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी में दो निर्दलीय सांसद भी शामिल हैं जो डेमोक्रेट्स के साथ गठबंधन में हैं। जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी 44 सीटों पर सिमट गई है। इसी तरह कुल 435 सीटों वाले निचले सदन यानी यूएस हाउस ऑफ़ रिप्रेज़ेनटेटिव्स में जहां बहुमत के लिए 218 सीटों की आवश्यकता होती है। अब तक घोषित 424 सीटों में से डेमोक्रेटिक पार्टी ने 255 सीटें जीत ली हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 169 सीटें मिली हैं। यह पिछले 112 वर्षों में हाउस चुनावों में डेमोक्रेट्स की दूसरी सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। कई रिपब्लिकन गढ़ों में सेंध लगाते हुये डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने उन राज्यों में भी कई सीनेट सीटें जीतीं जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन गढ़ माना जाता है। इनमें आयोवा,नॉर्थ कैरोलिना, मेन (ट्रॉय डेल जैक्सन), साउथ कैरोलिना (एनी एंड्रयूज़) और मिसिसिपी (स्कॉट कोलोम) जैसी सीटें शामिल हैं। इसी तरह जॉर्जिया में डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स अमेरिका के किसी भी राज्य की गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं। वहीं न्यू मैक्सिको में डेब हैलैंड अमेरिका की पहली मूल अमेरिकी महिला गवर्नर चुनी गईं। मिशिगन से अब्दुल अल-सैयद देश के पहले मुस्लिम सीनेटर और न्यू हैम्पशायर से क्रिस पप्पास पहले खुले तौर पर समलैंगिक पुरुष सीनेटर चुने गए हैं। माना जा रहा है कि जनवरी 2027 में नई कांग्रेस के शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना अब बेहद कठिन हो जाएगा। सीनेट और हाउस दोनों पर नियंत्रण होने के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी अब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा की जाने वाली न्यायिक और कैबिनेट नियुक्तियों को रोकने की शक्ति रखेगी। इसके साथ ही, डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली संसदीय समितियां व्हाइट हाउस के कामकाज और नीतियों की जांच भी शुरू कर सकेंगी।

अब सवाल यह है कि क्या शांतिप्रिय अमेरिकी जनता को ट्रंप की मागा Make America Great Again मुहीम रास नहीं आयी या फिर वे ख़ुद की आड़ में छुपे ट्रंप के नफ़रती व पूंजीवादी एजेंडे को पहचान गये ? दरअसल ईरान पर अमेरिका द्वारा अकारण युद्ध थोपे जाने और ग़ज़ा नरसंहार के नायक बेंजमिन नेतन्याहू के लगभग हर मानवता विरोधी मिशन में उसका साथ देते रहने वाले ट्रंप ने अपने भाषणों में साम्प्रदायिकता का ज़हर उगलकर पिछले दिनों हुये अमेरिकी उपचुनावों को भी नफ़रती रंग देने की भरपूर कोशिश की। उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मुस्लिम उम्मीदवारों के ख़िलाफ़ कई तीखे और विवादास्पद बयान दिए। इनमें आतंकवाद से जोड़ना, नागरिकता पर सवाल उठाना, नाम बिगाड़ना और धार्मिक क़ानून का डर दिखाना आदि शामिल था। मिसाल के तौर पर मिशिगन से यूएस सीनेट का चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप के निशाने पर रहे। ट्रंप ने मिशिगन की चुनावी रैलियों में अल-सैयद को बार-बार क्रूर, हिंसक व जिहादी कहा। ट्रंप ने कहा कि वे मिशिगन इसलिए आए हैं ताकि एक जिहादी मुस्लिम ब्रदरहुड सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोका जा सके। चुनाव से ठीक पहले 1 नवंबर 2026 को एक रैली में ट्रंप ने कहा था कि यदि अल-सैयद चुनाव जीत जाते हैं, तो सीनेट में प्रवेश करने से पहले उनकी जांच करने के लिए वहां मेटल डिटेक्टर लगाने पड़ेंगे। उन्होंने अपने भाषणों में जानबूझकर अब्दुल अल-सैयद को मोहम्मद कहकर संबोधित किया। ट्रंप के नफ़रती बयान की हद तो यह है कि ट्रंप ने मतदाताओं से अपील की कि वे अल-सैयद को हराकर उन्हें वापस वहीं भेज दें जहां से वे आए हैं। जबकि अल-सैयद का जन्म अमेरिका के मिशिगन में ही हुआ है। इसके अतिरिक्त ट्रंप ने अल-सैयद का विरोध करने के लिए 9/11 आतंकी हमलों की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया।

इतना ही नहीं बल्कि ट्रंप ने हाउस ऑफ़ रिप्रेज़ेनटेटिव्स अर्थात प्रतिनिधि सभा की वर्तमान मुस्लिम सदस्यों इल्हान उमर और रशीदा तालिब पर भी तीखे व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले किए। उन्होंने उमर के मूल देश सोमालिया का उपहास उड़ाते हुए कहा कि वह एक ऐसे देश से आती हैं जो असल में एक देश भी नहीं है। अगस्त 2026 में ट्रंप ने सोमाली मूल के लोगों और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे बुद्धिमान नहीं हैं, उनमें कोई योग्यता नहीं है और वे हमें बता रहे हैं कि हमें अपना देश कैसे चलाना है। इसी दौरान उन्होंने ओवल ऑफ़िस में कहा कि हमारे यहां हर जगह जिहादी चुने जा रहे हैं। इसी तरह ट्रंप ने मिशिगन से सांसद रशीदा तालिब और इल्हान उमर के लिए बार-बार कहा कि उन्हें अपने मूल देशों (फ़िलिस्तीन और सोमालिया) वापस चले जाना चाहिए, जबकि रशीदा तालिब का भी जन्म अमेरिका में ही हुआ है। ट्रंप द्वारा केवल कुछ मुस्लिम उम्मीदवारों पर व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि पूरे डेमोक्रेटिक खेमे के मुस्लिम नेताओं को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने एक व्यापक नैरेटिव तैयार किया था। ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं ने चुनाव प्रचार में यह दावा किया था कि मुस्लिम उम्मीदवारों के जीतने से अमेरिका में शरिया क़ानून लागू हो जाएगा। नफ़रती ट्रंप ने बिना किसी सबूत के मुस्लिम उम्मीदवारों पर कई प्रतिबंधित संगठनों और मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े होने तक के झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाए और अमेरिका के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए। ग़ौरतलब है कि 2025 के न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने ज़ोहरान ममदानी के ख़िलाफ़ भी कई तीखे, व्यक्तिगत,नस्लवादी व अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।उन्होंने ममदानी को 100% पागल कम्युनिस्ट ,आपदा, अनाकर्षक,विदेशी,देश विरोधी,न्यूयार्क को बर्बाद करने वाला बताते हुए उनपर इस्लामोफ़ोबिक हमले किए थे। परन्तु ममदानी को भी न्यूयार्क के लोगों ने मेयर चुनाव में विजयी बनाया।

रिपब्लिकन पार्टी विशेषकर ट्रंप द्वारा अमेरिकी चुनाव के इतिहास में किये गये इस तरह के सांप्रदायिकतावादी दुष्प्रचार का अमेरिका में पुरज़ोर विरोध किया गया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन जैसे कई बड़े नेताओं ने ट्रंप द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध किये जाने वाले दुष्प्रचार की आलोचना की। अनेक संगठनों ने भी ट्रंप की इस नफ़रती बयानबाज़ी की निंदा करते हुए इसे नस्लवादी क़रार दिया। उधर इस आक्रामक और इस्लामोफ़ोबिक प्रचार का उल्टा असर यह हुआ कि इसने मुस्लिम और अल्पसंख्यक मतदाताओं को तो लामबंद किया ही साथ ही उदारवादी अमेरिकन ईसाईयों ने भी डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन किया जिसके परिणामस्वरूप 2026 के चुनावों में रिकॉर्ड 7 मुस्लिम उम्मीदवार अमेरिकी कांग्रेस के लिए चुने गए। निःसंदेह अमेरिका के चुनाव दुनिया के नफ़रती शासकों के लिये साफ़ सन्देश हैं कि नफ़रत की सियासत अधिक समय तक परवान नहीं चढ़ती।



नहाय खाय के साथ शुरू हुआ आस्था का महापर्व

चार दिवसीय छठ महापर्व हिंदू धर्म के सबसे कठिन व्रतों में से एक है. इसमें व्रती लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत रखते हैं. छठ महापर्व में व्रती भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु तथा अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं.

छठ पूजा 2026 कब है

छठ महापर्व कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होता है और सप्तमी तिथि को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होता है. इस साल छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ हुई, जिसका समापन 16 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा.

नहाय-खाय (13 नवंबर)

छठ महापर्व का पहला दिन नहाय-खाय होता है. इस दिन व्रती स्नान करके घर और पूजा स्थल की साफ-सफाई करते हैं. इसके बाद सात्विक भोजन ग्रहण किया जाता है. भोजन में मुख्य रूप से लौकी का इस्तेमाल किया जाता है. इस दिन भोजन बनाने और खाने में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है. इसी दिन से छठ पूजा के नियमों का पालन शुरू हो जाता है.

खरना (14 नवंबर)

छठ पूजा का दूसरा दिन खरना होता है. इस दिन व्रती दिनभर उपवास रखते हैं और शाम को पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण करते हैं. खरना के प्रसाद में आमतौर पर गुड़ की खीर, रोटी और फल शामिल होते हैं. इसके अलावा, कुछ घरों में इस दिन अरवा चावल और चने की दाल भी बनाई जाती है. खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है, जो उषा अर्घ्य के बाद पूरा होता है.

संध्या अर्घ्य (15 नवंबर)

छठ महापर्व के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य दिया जाता है. इस दिन व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं. बांस की टोकरी और सूप में ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना और अन्य पूजन सामग्री सजाई जाती है. व्रती नदी, तालाब या अन्य जलाशय के किनारे पहुंचकर सूर्य देव और छठी मैया की पूजा करते हैं.

उषा अर्घ्य (16 नवंबर)

छठ पूजा के चौथे और अंतिम दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है. इसे उषा अर्घ्य या प्रातःकालीन अर्घ्य कहते हैं. व्रती सूर्योदय के समय जल में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं. इसके बाद व्रत का पारण किया जाता है और चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हो जाता है.

छठ पूजा महत्व

यह व्रत मुख्य रूप से संतान की कुशलता, लंबी उम्र और उनकी प्रगति के लिए रखा जाता है। छठी मैया को संतान की रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। सूर्य देव को आरोग्य का देवता माना जाता है। कठोर उपवास, उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य देना और शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण करना शरीर को निरोगी बनाता है और कई प्रकार के रोगों से मुक्ति दिलाता है। यह माना जाता है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा और शुद्धता से इस व्रत को करता है, छठी मैया और सूर्य देव उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं, और जीवन में सुख-शांति तथा धन-समृद्धि आती है। चार दिनों के कठिन व्रत, उपवास और शुद्धता के नियमों का पालन करने से शरीर और मन दोनों पवित्र हो जाते हैं। यह व्रत आत्म-अनुशासन और संयम का अद्भुत उदाहरण है।



आस्था, श्रद्धा और विश्वास का पर्व है छठ

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बडे नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमे तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पडता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पडता है । षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार प्रतिवर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी यानी छठी तिथि को छठ पूजा का त्योहार मनाया जाता है। यह पर्व खासकर उत्तर भारत का पर्व है। यह पर्व छठी माई और भगवान सूर्य का पर्व है।

संतान के सुख के लिए रखती हैं व्रत

छठ पूजा का व्रत महिलाएं अपनी संतान की रक्षा और पूरे परिवार की सुख शांति का वर मांगाने के लिए करती हैं। मान्यता अनुसार इस दिन निःसंतानों को संतान प्राप्ति का वरदान देती हैं छठ मैया। छठ के दौरान महिलाएं लगभग 36 घंटे का व्रत रखती हैं।

36 घंटे का निर्जला उपवास

इस पर्व की शुरुआत नहाय खाये से होती है जिसमें साफ-सफाई और शुद्ध शाकाहारी भोजन सेवन का पालन किया जाता है। इसके बाद सूर्य और छठी मैया को घर में स्थापित कर उनका पूजा किया गया। दूसरे दिन खरना होता है। खरना में महिलाएं नित्यकर्म से निवृत्त होकर साफ वस्त्र पहनती हैं और नाक से माथे के मांग तक सिंदूर लगाती हैं। दिनभर व्रत रखने के बाद शाम के समय लकड़ी के चूल्हे पर साठी के चावल और गुड़ की खीर बनाकर प्रसाद तैयार करती हैं। पूजा के बाद उसे ही खाती है और घर के अन्य सदस्यों को प्रसाद रूप में इसे दिया जाता है। इस भोजन को ग्रहण करने के बाद ही व्रती महिलाओं का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। मान्यता है कि खरना पूजा के बाद ही घर में देवी षष्ठी (छठी मइया) का आगमन हो जाता है। तब तीसरा दिन और चौथा दिन सबसे महत्वपूर्ण होता है जिसे सांध्य और उषा अर्घ्य कहा जाता है।

संध्या अर्घ्य

षष्ठी के दिन ही छठ पूजा और पर्व रहता है। इस दिन संध्या अर्घ्य का महत्व है। इस दिन कार्तिक शुक्ल की षष्ठी होती है। संध्या षष्ठी को अर्घ्य अर्थात संध्या के समय सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है और विधिवत पूजन किया जाता है। इस समय सूर्य अपनी पत्नी प्रत्यूषा के साथ रहते हैं। इसीलिए प्रत्यूषा को अर्घ्य देने का लाभ मिलता है। कहते हैं कि शाम के समय सूर्य की आराधना से जीवन में संपन्नता आती है। शाम को बांस की टोकरी में ठेकुआ, चावल के लड्डू और कुछ फल रखें जाते हैं और पूजा का सूप सजाया जाता है और तब सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और इसी दौरान सूर्य को जल एवं दूध चढ़ाकर प्रसाद भरे सूप से छठी मैया की पूजा भी की जाती है। बाद में रात्रि को छठी माता के गीत गाए जाते हैं और व्रत कथा सुनी जाती है।

उषा अर्घ्य

उषा अर्घ्य अर्थात इस दिन सुबह सूर्योदय से पहले नदी के घाट पर पहुंचकर उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। षष्ठी के दूसरे दिन सप्तमी को उषाकाल में सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया जाता है जिसे पारण कहते हैं। अंतिम दिन सूर्य को वरुण वेला में अर्घ्य दिया जाता है। यह सूर्य की पत्नी उषा को दिया जाता है। इससे सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। पूजा के बाद व्रति कच्चे दूध का शरबत पीकर और थोड़ा प्रसाद खाकर व्रत को पूरा करती हैं, जिसे पारण या परना कहा जाता है। यह छठ पर्व का समापन दिन होता है। यह मुख्य रूप से यह लोकपर्व है जो उत्तर भारत के राज्य पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोग ही मनाते हैं। यहां के लोग देश में कहीं भी हो वे छठ पर्व की पूजा करते हैं।





छठ पूजा पर सूर्य को अर्घ्य देने के फायदे

छठ पर्व पर सूर्य देव को शाम को और दूसरे दिन प्रातः अर्घ्य दिया जाता है। छठ पर्व एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें शाम को सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है जिसे संध्या अर्घ्य कहते हैं। षष्ठी और सप्तमी को सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। आखिर सूर्य को अर्घ्य देने से क्या होगा और क्यों देते हैं सूर्य को अर्घ्य, जानिए सूर्य को अर्घ्य देने के फायदे।

- शाम के समय सूर्य अपनी पत्नी प्रत्यूषा के साथ रहते हैं। इसीलिए प्रत्यूषा को अर्घ्य देने का लाभ मिलता है। कहते हैं कि शाम के समय सूर्य की आराधना से जीवन में संपन्नता आती है।
- सप्तमी अर्थात अंतिम दिन सूर्य को वरुण वेला में अर्घ्य दिया जाता है। यह अर्घ्य सूर्य की पत्नी उषा को दिया जाता है। इससे सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। षष्ठी के दूसरे दिन सप्तमी को उषाकाल में सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया जाता है जिसे पारण कहते हैं।
- कहते हैं कि सुबह के सूर्य की आराधना से सेहत बनती है, रोग मिटते हैं, दोपहर की सूर्य आराधना से नाम और यश बढ़ता है और शाम के समय की आराधना से जीवन में संपन्नता आती है।
- यह भी माना जाता है कि उषाकाल के सूर्य की उपासना करने से मुकदमें में फंसे हो तो निकल जाते हैं। आंखों की रोशनी में लाभ मिलता है, अटके काम सलट जाते हैं। पेट की समस्या समाप्त हो जाती है। परीक्षा में लाभ मिलता है।
- माना जाता है कि सुबह के समय सूर्य को जल चढ़ाते समय इन किरणों के प्रभाव से रंग संतुलित हो जाते हैं और साथ ही साथ शरीर में प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ती है।
- जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर होता है कहते हैं कि उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है और वे निराशावादी हो जाते हैं। प्रातःकाल सूर्य देव के दर्शन से शरीर में स्फूर्ति आती है और यदि शरीर अच्छा महसूस करेगा तो मन भी सकारात्मक होकर निराशावाद को भगाकर आत्मविश्वास बढ़ाता है।
- माता जाता है कि जल की धारा में से उगते सूरज को देखना चाहिए इससे धातु और सूर्य कि किरणों का असर आपकी दृष्टि के साथ-साथ आपके मन पर भी पड़ेगा और आपको सकारात्मक उर्जा का आभास होता रहेगा।
- धार्मिक दृष्टिकोण से देखें तो सूर्यदेव को आत्मा का कारक माना गया है। ऐसा भी माना जाता है कि सूर्य देव को अर्घ्य देने से वे बहुत जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। और अपने भक्त के जीवन को अंधकार से निकालकर प्रकाश (ज्ञान) की ओर लेकर जाते हैं।
- मान्यता अनुसार अर्घ्य देने से घर-परिवार में मान-सम्मान बढ़ता है।
- सूर्य को प्रतिदिन अर्घ्य देने से व्यक्ति कुंडली में सूर्य की स्थिति भी मजबूत होती है।
- छठ पर्व को विधिवत मनाने से मिट जाता है सभी तरह का सूर्य दोष।
- ज्योतिषविद्या के मुताबिक हर दिन सूर्य को अर्घ्य देने से व्यक्ति की कुंडली में यदि शनि की बुरी दृष्टि हो तो उसका प्रभाव भी कम होता है। इससे करियर में भी लाभ मिलता है।
- सूर्य प्रकाश का सबसे बड़ा स्रोत है और प्रकाश को सनातन धर्म में सकारात्मक भावों का प्रतीक माना गया है। इस प्रकार में सभी तरह के रोग और शोक को मिटान के क्षमता है।
- प्रतिदिन प्रातःकाल सूर्य के समक्ष कुछ देर खड़े रहने से सभी तरह के पौषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होने की संभावना बढ़ जाती है।
- जिस तरह पौधों के लिए जल के अलावा सूर्य के प्रकाश की भी जरूरत होती है उसी तरह मनुष्य के जीवन के लिए भी सूर्य के प्रकाश या धूप की अत्यंत ही आवश्यकता होती है।
- सूर्य प्रकाश का सबसे बड़ा स्रोत है और प्रकाश को सनातन धर्म में सकारात्मक भावों का प्रतीक माना गया है।

कैसे करें व्रत

कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को कार्तिकी छठ कहा जाता है। यह पर्व सूर्यदेव की उपासना के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्यदेव की बहन है। इसलिए छठ पर्व पर छठ देवी को प्रसन्न करने हेतु सूर्य देव को प्रसन्न किया जाता है। गंगा-यमुना या किसी भी नदी, सरोवर के तट पर सूर्यदेव की आराधना की जाती है। महाभारत में भी छठ पूजा का उल्लेख किया गया है। पांडवों की मां कुंती को विवाह से पूर्व सूर्य देव की उपासना कर आशीर्वाद स्वरुप पुत्र की प्राप्ति हुई जिनका नाम था कर्ण। पांडवों की पत्नी द्रौपदी ने भी उनके कष्ट दूर करने हेतु छठ पूजा की थी। यह पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से आरंभ होकर सप्तमी तक चलता है। प्रथम दिन यानि चतुर्थी तिथि 'नहाय-खाय' के रूप में मनाया जाता है। आगामी दिन पंचमी को खरना व्रत किया जाता है और इस दिन संध्याकाल में उपासक प्रसाद के रूप में गुड-खीर, रोटी और फल आदि का सेवन करते हैं और अगले 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखते हैं। मान्यता है कि खरन पूजन से ही छठ देवी प्रसन्न होती है और घर में वास करती है। छठ पूजा की अहम तिथि षष्ठी में नदी या जलाशय के तट पर भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं और उदीयमान सूर्य को अरध्य समर्पित कर पर्व का समापन करते हैं।

छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार व पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। हालांकि अब यह पर्व देश के कोने-कोने में मनाया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार यह भारत के सूर्यवंशी राजाओं के मुख्य पर्वों से एक था। एक समय मगध सम्राट जरासंध के एक पूर्वज को कुष्ठ रोग हो गया था। इस रोग से निजात पाने हेतु राज्य के शाकलद्वीपीय मग ब्राह्मणों ने सूर्य देव की उपासना की थी। फलस्वरूप राजा के पूर्वज को कुष्ठ रोग से छुटकारा मिला और तभी से छठ पर सूर्योपासना की पूजा आरंभ हुई है। छठ व्रत पूर्ण नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। श्रद्धा भाव से किए गए इस व्रत से निःसंतान को संतान सुख की प्राप्ति होती हैं और धन-धान्य की प्राप्ति होती है। उपासक का जीवन सुख-समृद्धि से परिपूर्ण रहता है।

छठ व्रत की पूजा विधि

छठ पर्व में मंदिरों में पूजा नहीं की जाती है और ना ही घर में साफ-सफाई की जाती है। पर्व से दो दिन पूर्व चतुर्थी पर स्नानादि से निवृत्त होकर भोजन किया जाता है। पंचमी को उपवास करके संध्याकाल में किसी तालाब या नदी में स्नान करके सूर्य भगवान को अरघ्य दिया जाता है। तत्पश्चात अलोना (बिना नमक का) भोजन किया जाता है। षष्ठी के दिन प्रातःकाल स्नानादि के बाद संकल्प लिया जाता है। संकल्प लेते समय इन मंत्रों का उच्चारण करें। ऊँ अद्य अमुक गोत्रो अमुक नामाहं मम सर्व पापनक्षयपूर्वक शरीरारोग्यार्थ श्री सूर्यनारायणदेवप्रसन्नार्थ श्री सूर्यषष्ठीव्रत करिष्ये। पूरा दिन निराहार और नीरजा निर्जल रहकर पुनः नदी या तालाब पर जाकर स्नान किया जाता है और सूर्यदेव को अरघ्य दिया जाता है। अरघ्य- अरघ्य देने की भी एक विधि होती है। एक बांस के सूप में केला एवं अन्य फल, अलोना प्रसाद, ईख आदि रखकर उसे पीले वस्त्र से ढक दें। तत्पश्चात दीप जलाकर सूप में रखें और सूप को दोनों हाथों में लेकर इस मंत्र का उच्चारण करते हुए तीन बार अस्त होते हुए सूर्यदेव को अरघ्य दें।



मंच से ही माइक और कुर्सी फेंकने लगे कांग्रेस विधायक हरीश धामी, मुख्यमंत्री को बताया 'कायर'

पिथौरागढ़ः उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का ऐतिहासिक जौलजीबी मेला इस बार अपनी परंपरा, व्यापार और सांस्कृतिक रंग के लिए नहीं, बल्कि एक राजनीतिक हंगामे के लिए याद किया जाएगा. शनिवार को मेले के मंच पर ऐसा ड्रामा हुआ कि वहां मौजूद हजारों लोग हैरान रह गए और देखते ही देखते वीडियो पूरे उत्तराखंड में वायरल हो गया. मेले की अध्यक्षता कर रहे कांग्रेस विधायक हरीश सिंह धामी ने गुस्से में माइक फेंक दिया, साउंड स्टाफ से अभद्रता की और फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को खुली चुनौती दे डाली- हिम्मत है तो धारचूला से चुनाव लड़कर



दिखाओ. भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि हरीश रावत चुनाव में हार के डर से ये ड्रामा कर रहे हैं.

मामला शुरू हुआ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मुख्य कार्यक्रम से, जो जौलजीवी मेला में रखा गया था. सीएम धामी जौलजीबी मेले में पहुंचे, भाषण दिया, घोषणाएं कीं और फिर वहां से चले गए. मुख्यमंत्री के जाते ही माहौल बदल गया. कांग्रेस विधायक हरीश धामी अपने समर्थकों के साथ अचानक मंच पर चढ़ गए. उनका आरोप है कि वे इस मेले के अध्यक्ष हैं, फिर भी उन्हें सभा को संबोधित करने का मौका नहीं दिया गया. उनका माइक बंद कर दिया गया, उन्हें बोलने से रोका गया. बस, फिर क्या था, हरीश धामी का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने माइक और कुर्सियों को फेंकना शुरू कर दिया. इस पूरी घटना को कई लोगों ने अपने मोबाइल कैमरों से कैद कर दिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं.

वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि हरीश धामी मंच पर खड़े हैं, गुस्से में चिल्ला रहे हैं, हाथ में माइक पकड़े हैं और फिर उसे जोर से फेंक देते हैं. आसपास उनके समर्थक नारेबाजी कर रहे हैं, साउंड स्टाफ से बहस हो रही है और पुलिसकर्मी स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे हैं. कुछ देर के लिए तो ऐसा लगा जैसे मेला नहीं, कोई चुनावी रैली चल रही हो. मंच पर हंगामा, नीचे जनता में हलचल और चारों तरफ मोबाइल से वीडियो बनाते लोग. मंच से उतरकर भी हरीश धामी का गुस्सा शांत नहीं हुआ, उन्होंने कार्यक्रम के लिए लगाई गई प्लास्टिक की कुर्सियों को फेंकना शुरू कर दिया.

छठ पर अदाणी सीमेंट की अनोखी पहल, पटना में लगाया दुनिया का सबसे बड़ा सूप, लिम्का बुक में दर्ज होगा रिकॉर्ड!

पटना। लोक आस्था का महापर्व को अब बिहार के अलावा देश के दूसरे हिस्सों में भी बड़ी धूम-धाम से मनाया जाने लगा है. आप कह सकते हैं कि छठ अब एक राष्ट्रीय पर्व हो गया है. इस बीच छठ महापर्व के मौके पर अदाणी सीमेंट्स ने बिहार की राजधानी पटना में 25 फीट ऊंचे सूप को लगाया है. कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा सूप है और इसे लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की तैयारी है. छठ महापर्व के मौके पर अदाणी ग्रुप ने भी अपनी भागीदारी निभाई है. कंपनी की ओर से पटना के दीघा घाट पर दुनिया के सबसे बड़े सूप को लगाया गया है. इसकी ऊंचाई 25 फीट है. इसे तैयार करने में करीब



15 दिन का समय लगा है. इस विशाल सूप में छठ पूजा के दौरान चढ़ाए जाने वाले प्रसाद और पूजन सामग्री को भी दर्शाया गया है.

घाट पर आने वाले लोग इस अनोखे सूप को देखने के लिए आकर्षित हो रहे हैं. अदाणी सीमेंट्स ने दीघा घाट पर भगवान भास्कर की प्रतिकृति के साथ सेल्फी पॉइंट भी बनाया है. इसके अलावा सैंड आर्ट के जरिए छठ व्रतियों और इस महापर्व की परंपराओं को दिखाया गया है. कंपनी का कहना है कि 25 फीट के इस विशाल सूप को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की तैयारी है.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे ने पकड़ी रफ्तार, वडोदरा-विरार सेक्शन पर काम शुरू, यूपी-एमपी से राजस्थान तक 1040 KM की हाईस्पीड कनेक्टिविटी

नई दिल्ली। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का काम तेजी से पूरा हो रहा है. दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र तक यह हाईवे 6 राज्यों को जोड़ रहा है. गुजरात में वडोदरा-विरार सेक्शन के सबसे अहम पैकेज-9 का काम अब नई रफ्तार पकड़ेगा. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने पैकेज-9 का नया अनुबंध देश की जानी-मानी इंफ्रा कंपनी 'अशोका बिल्डकॉन' को सौंपा है. कंपनी ने 866 करोड़ रुपये बोली लगाकर इसे पूरा किया है. नए टेंडर के तहत काम पूरा करने के लिए 540 दिन यानी करीब 18 महीने की समय-सीमा तय की गई है. इसके पूरा होते ही दिल्ली से



मुंबई तक कनेक्टिविटी को नई रफ्तार मिलेगी.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के रूट में गुजरात में वडोदरा-विरार सेक्शन पर काम शुरू होने वाला है. यह पैकेज गुजरात में करवद से जुजुवा तक फैला हुआ है, इसकी लंबाई 26.6 किलोमीटर है. यह 8-लेन एक्सेस-कंट्रोल एक्सप्रेसवे के रूप में बनेगा. कंपनी को इसके लिए 10 साल की डिफेक्ट लायबिलिटी भी रखनी होगी, यानी 10 साल तक सड़क की गुणवत्ता की जिम्मेदारी उसी की होगी. इस सेक्शन पर काम शुरू होने के बाद यह प्रोजेक्ट बहुत तेजी से काम करेगा.

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के 64 प्रतिशत हिस्से का काम पूरा हो चुका है. केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 25 मार्च को राज्यसभा में बताया था कि 1445 किलोमीटर में से 929 किलोमीटर का हिस्सा चालू हो चुका है. इससे पहले गुजरात में लिमखेड़ा-गोधरा का 55 किमी हिस्सा भी खोल जा चुका है. अब वर्तमान में 1040 किलोमीटर से से ज्यादा पर ट्रैफिक चल रहा है और सिर्फ 310 किमी का काम बाकी है. दिल्ली से हरियाणा होते हुए यूपी तक यह प्रोजेक्ट तेजी से पूरा हुआ है.

छठ पर क्या है राज ठाकरे और उद्धव की सेना का हठ, कई घाटों पर बढ़ानी पड़ी सुरक्षा; भोजपुरी गीतों पर भी विवाद

मुंबईः बिहार समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में मनाए जा रहे छठ पर्व पर महाराष्ट्र में राजनीतिक विवाद छिड़ गया है. हालात ऐसे हैं कि कई जगहों पर सुरक्षा के इंतजाम करने पड़े हैं ताकि किसी तरह का विवाद न होने पाए. एक तरफ जहां जुहू चौपाटी समेत शहर के तमाम समुद्र तटों और कृत्रिम तालाबों पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ समुद्री प्रदूषण, रेलवे स्टेशनों पर बजने वाले भोजपुरी गीतों और मराठी अस्मिता को लेकर छिड़े घमासान ने इस धार्मिक उत्सव को राजनीतिक अखाड़ा बना दिया है.



तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए मुंबई पुलिस और बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं. मुंबई के प्रमुख समुद्र तटों पर छठ पूजा के आयोजन को लेकर मनसे ने कड़ा रुख अपनाया है. मनसे नेताओं ने गिरगांव चौपाटी, जुहू से लेकर गोराई तक समुद्र तटों और बाणगंगा तालाब में पूजा सामग्री के विसर्जन से होने वाले प्रदूषण पर आपत्ति जताई है. मनसे नेता यशवंत किल्लेदार ने सवाल उठाया कि जब गणेशोत्सव के दौरान मूर्तियों के विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाबों का उपयोग किया जाता है. छठ पूजा के लिए प्राकृतिक जल स्त्रोतों को प्रदूषित करने के बजाय कृत्रिम तालाबों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है? वहीं, मालाबार हिल विभाग के मनसे अध्यक्ष दिनेश पुंडे ने बाणगंगा और गिरगांव चौपाटी पर विसर्जन रोकने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी थी. इस विवाद में मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने सीधे भाजपा को निशाने पर लिया है. राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को साधने के लिए मुंबई में मराठी और उत्तर भारतीय समुदायों के बीच सांस्कृतिक टकराव पैदा कर रही है.

ग्रेटर नोएडा के जेवर में बसेगी नई टाउनशिप, 6 गांवों की 420 हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में जल्द ही एक नई टाउनशिप देखने को मिलेगी, जिसमें 6 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा. इस टाउनशिप में उन लोगों को घर मिलेगा, जिनकी जमीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के तीसरे चरण के दौरान ली गई थी. इस नई सिटी के लिए नोएडा में जमीन को चिन्हित कर लिया गाय है, अब सामाजिक समाघात निर्धारण (SIA) रिपोर्ट पर गांव-गांव जाकर लोक सुनवाई होगी और उसके बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज की जाएगी. इस टाउनशिप के बनने से ग्रेटर नोएडा के लोगों की नोएडा और दिल्ली तक कनेक्टिविटी मजबूत हो जाएगी.

ग्रेटर नोएडा में बनने वाली यह नई सिटी जेवर क्षेत्र में ही बनेगी. इसके लिए 6 गांवों की कुल



420.55 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा. प्रशासन की तरफ से नामित एजेंसी गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय ने इस प्रस्तावित अधिग्रहण को लेकर SIA रिपोर्ट और सामाजिक समाघात प्रबंधन योजना का ड्राफ्ट तैयार किया है. जहां नोएडा डीएम की तरफ से इस ड्राफ्ट पर 23 नवंबर से 28 नवंबर तक इन सभी 6 गांवों में लोक सुनवाई कराई जाएगी.

ग्रेटर नोएडा के इन 6 गांवों की जमीन ली जाएगी

अहमदपुर चौरोली (चौरोली)
सादुल्लापुर उर्फ मॉडलपुर
नीमका शाहजहांपुर (नीमका)
जेवर बांगर
अलावलपुर
मंगरौली

जेवर एयरपोर्ट का विस्तार

जेवर एयरपोर्ट के तीसरे चरण के विस्तार में 14 गांवों के किसानों से 1888 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है, इनमें से 6 गांव पूरी तरह विस्थापित होंगे. इन गांवों में किशोरपुर, रामनेर, बनवारीवास, नीमका, ख्वाजपुर और थोरा शामिल है.

इन्हीं 6 गांवों के परिवारों को नई टाउनशिप में बसाया जाएगा. प्रशासन का कहना है कि अधिग्रहण कानून के तहत प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा, पुनर्वास और अन्य लाभ दिए जाएंगे.

जेवर, यमुना एक्सप्रेसवे से नोएडा, दिल्ली तक कनेक्टिविटी

टाउनशिप से यमुना एक्सप्रेसवे के जरिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली तक सीधी और तेज कनेक्टिविटी मिलेगी. इसके अलावा पूर्व की ओर अलीगढ़ और मथुरा की तरफ जाने वाली सड़कों से जुड़ाव भी हो जाएगा. जबकि बुलंदशहर और खुर्जा भी कनेक्शन रहेगा. टाउनशिप एयरपोर्ट, प्रस्तावित फिल्म सिटी और मेडिकल डिवाइस पार्क के बीच एक रिहायशी हब के तौर पर विकसित होगी. नोएडा और ग्रेटर नोएडा को इस टाउनशिप से सीधा फायदा होगा, क्योंकि जेवर एयरपोर्ट का विस्तार समय पर पूरा होगा, जिससे पूरे हब्स्त्र को एक नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट मिलेगा और इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर दबाव कम होगा.

एकतरफा प्यार, अनबन और फिर रेत दिया गला...दिल्ली में महिला का ट्रायल रूम में मिला शव, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के मोती नगर में 18 वर्षीय युवती शबनम की सनसनीखेज हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. वारदात के बाद फरार चल रहा आरोपी सूरज दिल्ली से भागने की फिराक में था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने तकनीकी और मैनुअल सर्विलांस की मदद से उसे गिरफ्तार कर लिया.

पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर इलाके में कपड़ों के एक शोरूम के ट्रायल रूम में हुई इस दिल दहलाने वाली हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया था. पुलिस के मुताबिक, आरोपी सूरज और मृतका शबनम एक-दूसरे को पहले से जानते थे. दोनों के बीच पहले दोस्ताना संबंध थे, लेकिन पिछले कुछ महीनों से रिश्तों में



कड़वाहट आ गई थी. शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि इसी तनातनी और एकतरफा मोहब्बत से जुड़ा मामला हत्या की वजह बन सकता है. पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम शबनम अपनी ड्यूटी पर थी. इसी दौरान आरोपी सूरज शोरूम पहुंचा. आरोप है कि उसने शबनम को ट्रायल रूम में बुलाया और वहां किसी धारदार हथियार से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया. वारदात को अंजाम देने के बाद वह मौके से फरार हो गया.

घटना का पता रात करीब 9 बजे चला, जब शोरूम के कर्मचारी दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे. ट्रायल रूम की जांच के दौरान शबनम खून से लथपथ हालत में मिली.

बच्चों ने 6 पिल्लों को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया, फिर आवारा कुत्तों ने नोच खाए शव; CCTV वायरल

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर से इंसानियत को झकझोरने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ नाबालिगों ने 6 पिल्लों (कुत्ते के बच्चों) को पहले बेरहमी से पीटा। फिर बोरी में भरा और पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। इस हैवानियत भरी घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। फोटो भी सामने आए, लेकिन बेहद डरावने और झकझोरने वाले। घटना के बाद मृत पिल्लों के शव ऐसे ही पड़े रहे और उन्हें आवारा कुत्ते नोचते रहे।

वायरल सीसीटीवी वीडियो में पांच-छह नाबालिग बच्चे एक ग्राउंड पर दिखाई देते हैं। वो पहले खेलते रहते हैं। पास में एक सफेद बोरी



रखी होती है, जिसमें कुछ समय बाद आग लगा देते हैं। बीच-बीच में जाकर उसमें कचरा और दूसरी जलने वाली चीजें डालते रहते हैं। देखते ही देखते आग दहक उठती है और फिर बच्चे करीब 2 मिनट तक वहां कुछ न कुछ उठाकर डालते रहते हैं और आग को भड़काते रहते हैं।

इस पूरी घटना की जानकारी शुक्रवार को सामने आई, जब पिल्लों के अधजले शव पड़ मिले। इलाके के आवारा कुत्ते पिल्लों को नोच-नोचकर खाते दिखे तो रास्ते से गुजरने वाले लोगों ने डॉग लवर्स को इसकी सूचना दी। जानकारी के मुताबिक, बेजुबान डॉग शेल्टर के संस्थापक सुधांशु शर्मा मौके पर पहंचे और उन्होंने शवों को वहां से हटवाया और गांधीनगर थाने में लिखित शिकायत दी। सीसीटीवी वीडियो सामने आने पर नाबालिग बच्चों द्वारा की गई अमानवीय घटना पर सबने अपना गुस्सा जाहिर किया। इसके बाद गांधीनगर थाने ने सभी नाबालिग बच्चों की पहचान की और उनके परिजनों को थाने बुलाया और पूरी घटना विस्तार से बताई। इस पूरी वारदात में जितने भी बच्चे शामिल थे, सभी नाबालिग थे। इसलिए उनके साथ तत्काल कोई सख्त एक्शन नहीं लिया गया, लेकिन पुलिस वैधानिक कार्रवाई की संभावनाएं देख रही है।

हमने जहां 400 साल नमाज पढ़ी, वहां जाएंगे अखिलेश यादव; राम मंदिर जाने के ऐलान पर असदुद्दीन ओवैसी

मेरठः ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के चीफ और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को मेरठ पहुंचे थे. उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के प्रस्तावित अयोध्या दौरे को लेकर उन पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि मुसलमान सदियों तक बाबरी मस्जिद में इबादत करते रहे थे, जो 1992 में तोड़े जाने तक उसी जगह पर मौजूद थी. असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'अखिलेश उस जगह जा रहे हैं, जहां हमने 400 सालों तक इबादत की है. '



उन्होंने नगीना में नमाज़ पढ़ने की मांग कर रहे लोगों को ASP नेता चंद्रशेखर आजाद के समर्थन का भी जिक्र किया. यह 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' की पहली रैली थी, जो IMIM और ASP का एक नया गठबंधन है. यह गठबंधन खुद को सत्ताधारी बीजेपी के नेतृत्व वाले NDA और मुख्य विपक्षी दलों (SP और कांग्रेस) के एक विकल्प के रूप में पेश कर रहा है. 12 दिसंबर को अखिलेश यादव राम मंदिर जाने वाले हैं. साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए बाबरी मस्जिद वाली जमीन हिंदू पक्ष को सौंप दी, जिसके बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ था. जनवरी 2024 में मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद, यह अखिलेश यादव की पहली यात्रा होगी. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अखिलेश का स्वागत है, लेकिन उन्हें पहले भगवान राम के भक्तों से माफी मांगनी चाहिए. उनका इशारा 1990 की उस घटना की ओर था, जब उस जगह पर जाने की कोशिश कर रहे हिंदुओं के एक समूह पर गोली चलाई गई थी. उस वक्त अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव सूबे के मुख्यमंत्री थे.

26 जनवरी तक एक लाख से अधिक युवाओं को ज्वाइनिंग लेटर देगी यूपी सरकार, सीएम योगी की घोषणा

लखनऊ। युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने यूपी के 50 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं और प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन टैबलेट में इन्फोसिस के सहयोग



से 18 हजार से अधिक पाठ्यक्रमों की निशुल्क अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई है। योग से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीप टेक जैसे आधुनिक विषयों की पढ़ाई के साथ युवाओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी। साथ ही सीएम योगी ने घोषणा करते हुए कहा, 26 जनवरी तक एक लाख से अधिक युवाओं को यूपी सरकार नियुक्ति पत्र देने की तैयारी कर रही है।

सीएम योगी ने बताया कि टैबलेट में युवा साथी ऐप के माध्यम से युवाओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी मिलेगी। इसमें छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएम इंटर्नशिप, सीएम इंटर्नशिप, सीएम युवा और पीएम मुद्रा योजना जैसी योजनाएं उपलब्ध हैं। इन्फोसिस के सहयोग से 18 हजार से अधिक निशुल्क पाठ्यक्रम भी दिए गए हैं। युवा अपनी रुचि के अनुसार योग, गणित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीप टेक और अन्य विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रतिवर्ष दो लाख से अधिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के स्नातक तैयार कर रहा है।

TMC छोड़कर BJP में आए लोगों का बवाल! पत्नी को बचाने आए भाजपा कार्यकर्ता को पीट-पीटकर मार डाला

परगनाः पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ता ही आपस में भिड़ गए. इस झड़प में एक की मौत हो गई. घटना उत्तर 24 परगना जिले के पानीहटी की है. पुलिस ने बताया कि मारपीट में एक भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब एक स्थानीय कारोबारी के साथ मारपीट की गई. पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम अरूप साहा है.

पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम को जब अरूप की पत्नी रूमा साहा (भाजपा नेता) ने



एक कारोबारी पर हुए हमले का विरोध किया, तो पार्टी के ही कुछ कार्यकर्ताओं ने उनके साथ बदसलूकी की. इस पर अरूप साहा ने बीच-बचाव करने की कोशिश की जिसके बाद उन पर हमला कर दिया गया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि 'शुरुआती जांच से पता चलता है कि पानीहटी मंडल-1 के भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष पर एक कारोबारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगने के बाद विवाद शुरू हुआ था.'

उन्होंने बताया कि उसी मंडल की भाजपा सचिव रूमा साहा ने मारपीट पर आपत्ति जताई, जिसके बाद पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने उनके साथ बदसलूकी की.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा कालाढूंगी के विकास हेतु की गई घोषणाएं

कालाढूंगी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 200 विद्युत पोलों की स्थापना की जाएगी

- कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गुजरौड़ा के नवाड़ तोक सैलानी में सड़क का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा।
- कालाढूंगी में मिनी स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।
- कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में गोडापड़ाव बाईपास मार्ग से ग्राम बजवालपुर-किशनपुर मार्ग का चौड़ीकरण कार्य किया जाएगा।
- कालाढूंगी अस्पताल का उच्चीकरण किया जाएगा
- पर्यटन सत्र 2026-2027 में कार्बेट टाईगर रिजर्व पार्क में महिलाओं को राजगार प्रदान किये जाने के लिए 70 अतिरिक्त महिला जिप्सी का पंजीकरण भी किया जायेगा।
- 22 महिलाओं को किया गया सम्मानित







के.के.पी संवाददाता

कालाढूंगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रा.इन्टर कॉलेज मैदान पहुँचकर नारी शक्ति सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी माताओं-बहनों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए सम्मानित होने वाली सभी माताओं-बहनों को हृदय से बधाई देते हुए कहा कि माताओं-बहनों की ये उपलब्धियाँ हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक सम्मान समारोह नहीं है, बल्कि ये उस शक्ति और साहस को नमन करने का अवसर है, जिसके बल पर हमारी मातृशक्ति ने हर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में आकर स्वयं को सम्मानित अनुभव होता है।

श्री धामी ने संस्कृत का श्लोक पढ़ते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में कहा गया है कि 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।' अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा कि नारी का सम्मान केवल शब्दों और नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि नारी का वास्तविक सम्मान तब है, जब उसे समान अवसर मिलें, उसके निर्णयों को महत्व मिले और उसकी प्रतिभा को पहचान मिले, वह आत्मनिर्भर बने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो और अपने सपनों को पूरा करने के लिए स्वतंत्र हो। क्योंकि जब नारी सशक्त होगी, तभी परिवार तथा समाज सशक्त होगा और समाज के सशक्त होने पर ही प्रदेश व राष्ट्र सशक्त होता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। प्रधानमंत्री का स्पष्ट विजन है कि हमारी माताएँ-बहनें केवल विकास योजनाओं की लाभार्थी बनकर न रहें, बल्कि देश की दिशा तय करने में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि यदि हम 2014 से पहले की बात करें, तो हमारे देश में महिलाओं के नाम पर राजनीति तो बहुत हुई, बड़े-बड़े वादे भी किए गए, लेकिन महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की बातें केवल और केवल भाषणों तक सिमटी रहीं, उनके जीवन में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। उन्होंने कहा कि पहले करोड़ों महिलाओं के लिए शौचालय और स्वच्छता एक बड़ी चुनौती थी। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लाल किले की प्रचार से स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से देशभर में करोड़ों शौचालयों का निर्माण कराया गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से हमारी बहनों को धुएँ से मुक्ति दिलाने के लिए गैस कनेक्शन दिए गए। जन-धन योजना ने करोड़ों महिलाओं को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा और उनके आर्थिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया, वहीं, आयुष्मान भारत योजना ने हमारी माताओं-बहनों को एक मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आज लाखों घरों के स्वामित्व में हमारी बहनों का नाम दर्ज है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों के प्रति समाज की सोच बदलने का काम किया और आज बेटियों को शिक्षा मिल रही है तथा सम्मान के नए अवसर मिल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम जिसमें एक तिहाई आरक्षण मातृ शक्ति के लिए होने वाला है, के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान कर आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने नीति निर्माण में आप लोगों भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, लोकतंत्र के इतिहास में यह फैसला हमेशा स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अनेक फैसलों और योजनाओं के माध्यम से आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण को नई दिशा दी है और उनकी इसी प्रेरणा से आज देश के हर कोने में हमारी मातृशक्ति आत्मनिर्भरता की नई कहानियाँ लिख रही हैं। उन्होंने कहा कि कोई बहन 'ड्रोन दीदी' बनकर आसमान छू रही है, तो कोई सीमा पर डटकर देश की सुरक्षा कर रही है। ऑपरेशन सिन्दूर में दोनों बेटियों ने अपडेट देने का काम किया। कोई अपना स्टार्टअप चलाकर रोजगार दे रही है, तो कोई ग्राम पंचायत का नेतृत्व कर गाँव की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और सहयोग से राज्य सरकार भी देवभूमि की मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मातृशक्ति की बात करता हूँ, तो मेरा सिर गर्व से ऊँचा हो जाता है। उन्होंने कहा कि बचपन से मां को कार्य करते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि मां तथा हमारे पहाड़ की माताएँ-बहनें सच में त्याग और परिश्रम की मूरत दिखाई देती हैं। सुबह सूरज निकलने से पहले ही हमारी माताओं और बहनों का दिन शुरू हो जाता है। घर की जिम्मेदारी, बच्चों की देखभाल, पशुओं के लिए चारा, खेतों में काम, जंगल से लकड़ी और घास लाना, न जाने कितनी जिम्मेदारियाँ आप एक साथ निभाती हैं। इन कठिनाइयों के बीच भी मातृशक्ति हिम्मत नहीं हारतीं और न ही हिम्मत कभी कम होती, यही हमारी मातृशक्ति की सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं मातृशक्ति का मनोबल हिमालय से भी ऊँचा और मजबूत है। यह वह शक्ति हैं, जो स्वयं संघर्षों से तपकर निखरती हैं और पूरे परिवार, समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने मातृशक्ति के इस संघर्ष एवं तप को नमन किया।

उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मातृ शक्ति के बीच अपना बचपन याद आ जाता है। उन्होंने कहा कि अपनी माता जी को भी इसी संघर्ष में तपते देखा है। उन्होंने कहा कि माँ ने जिस तरह सीमित संसाधनों और अनेक जिम्मेदारियों के बीच परिवार को संभाला और हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, वह मेरे लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है और अपनी माँ को ही अपना आदर्श मानता हूँ। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि हमारी माताओं-बहनों की इस ताकत और योगदान के बिना उत्तराखंड की प्रगति की कल्पना तक नहीं की जा सकती, और इसीलिए हमारी सरकार ने महिलाओं को योजनाओं का लाभ देने के साथ-साथ उनके लिए नेतृत्व के अवसर भी बढ़ाए हैं। इसी दिशा में सरकारी सेवाओं में राज्य की महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण तथा सहकारी समितियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि हमारे पहाड़ की महिलाओं में हुनर की कोई कमी नहीं है। किसी के हाथ में बुनाई का हुनर है, कोई अचार, मसाले और पहाड़ी उत्पाद बनाने में कुशल है, तो कोई पशुपालन और खेती के माध्यम से परिवार की आय बढ़ा रही है। इसलिए हमने सोचा कि क्यों न हमारी मातृशक्ति को एक ऐसा मंच दिया जाए, जहाँ वे एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ सकें। इसी सोच के साथ सरकार उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एक दिसम्बर को 5.20 लाख बहनों के खाते में दो किस्तो में पैसे डालने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 71 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 5 लाख से अधिक ग्रामीण बहनें एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ रही हैं। इन समूहों को मजबूती देने के लिए 8 हजार से अधिक ग्राम संगठन और 600 से अधिक क्लस्टर स्तरीय संघ भी काम कर रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के माध्यम से बहनों को नए अवसर दिए जा रहे हैं। सरकार चाहती है कि हमारी बहनें अपने उत्पाद तैयार करें, उन्हें बाजार तक पहुँचाएँ और अपनी मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त करें। आज इसका परिणाम भी दिखाई दे रहा है। हमारी बहनें घर की जिम्मेदारियाँ संभालने के साथ-साथ अपने व्यवसाय चला रही हैं, अपने उत्पादों की ब्रांडिंग कर रही हैं और दूसरे लोगों को भी रोजगार दे रही हैं। इसके अलावा, वर्ष 2026 में हमने मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना की भी शुरुआत की है, कई माताएँ-बहनें ऐसी भी हैं, जो अकेले ही अपने परिवार की जिम्मेदारी संभाल रही हैं और ऐसी बहनों को सहानुभूति के साथ आत्मनिर्भर बनने के अवसर भी मिलने चाहिए। इसीलिए इस योजना के माध्यम से उन्हें अपना स्वरोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना के तहत अब तक करीब 700 बहनों को 6 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता उपलब्ध कराई गई है। इसी तरह प्रधानमंत्री जी के लखपति दीदी के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज उत्तराखंड में लगभग 3.50 लाख से अधिक माताएँ-बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 12 हजार से अधिक महिलाएँ बैंकिंग, कृषि, पशुपालन, डिजिटल भुगतान और अन्य सामुदायिक सेवाओं से जुड़ी भूमिकाओं में काम कर रही हैं, ये बहनें गाँव-गाँव जाकर लोगों को आवश्यक सेवाएँ और सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करा रही हैं। इससे एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाएँ पहुँच रही हैं, तो दूसरी ओर हमारी बहनें स्वयं भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। अपने पैरों पर खड़ी हो रही है, समाज के साथ परिवार में भी और अधिक सम्मान शुरू हो जाता है

उन्होंने कहा कि जब हमारी बेटियों की बात आती है, तो उनके उज्ज्वल भविष्य से बड़ा हमारे लिए कोई संकल्प नहीं हो सकता। इसीलिए नंदा गौरा योजना के माध्यम से पात्र बेटियों के जन्म पर 11 हजार रुपये और 12वीं कक्षा पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए 51 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि बेटियों को आगे बढ़ने और अपने सपने पूरे करने के भरपूर अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि हमारे उत्तराखंड की एक बहुत बड़ी ताकत हमारे स्थानीय उत्पाद हैं। चाहे वह मंडुवा हो, झंगोरा हो, पहाड़ी राजमा हो, पारंपरिक मसाले हों, जम्बू हो, शहद हो या फिर हस्तशिल्प, अपनी विशिष्ट गुणवत्ता के कारण इन उत्पादों की खास मांग है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि इन्हें केवल गाँव के बाजारों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि देश और दुनिया के बड़े बाजारों में भी पहुँचाया जाए। इसी उद्देश्य से हमने 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की शुरुआत की है। इससे हमारे स्थानीय उत्पादों को पहचान, बेहतर पैकेजिंग और बड़ा बाजार देने का माध्यम है। उन्होंने प्रशन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी इस पहल से लगभग 5,500 माताएँ-बहनें सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं और आज 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ने अपनी शुरुआत से अब तक 6 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री दर्ज की है। उन्होंने बताया कि हमारी माताओं-बहनों ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर यह सिद्ध कर दिया है कि उचित अवसर, संसाधन और सहयोग मिलने पर वे स्वयं को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकती हैं।, साथ ही, अपने परिवार, समाज और प्रदेश के विकास में भी अहम भूमिका निभा सकती हैं।

उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ-साथ महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान भी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। हम चाहते हैं कि हमारी बहनें बिना किसी डर के घर से बाहर निकलें, शिक्षा प्राप्त करें, नौकरी करें और अपने सपनों को पूरा करें। जो भी कम करें निडर होकर करें। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से महिला सुरक्षा और सहायता से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी माताओं-बहनों के समान नागरिक अधिकारों और कानूनी संरक्षण को सुनिश्चित करने की दिशा में हमने प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने का भी ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता को एक लाइन में वर्णन करते हुए कहा जा सकता है कि राज्य की 50 प्रतिशत (महिला) जनता के लिए शतप्रतिशत सुरक्षा का कानून है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार दिन-रात आपके सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है, तो दूसरी ओर कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो महिलाओं के नाम पर केवल अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकना जानते हैं। उन्होंने कहा कि उन लोगों से पूछना चाहता हूँ कि जब आप सत्ता में थे, तब आपने उत्तराखंड की इन मेहनतकश महिलाओं के लिए क्या ठोस कदम उठाए थे? उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए आपने क्या किया था? इनके लिए महिला सशक्तिकरण का दायरा सिर्फ अपने परिवार तक सीमित था। इन लोगों ने पहाड़ की भोली-भाली महिलाओं को सिर्फ और सिर्फ झूठे सपने दिखाए। और आज इनकी राजनीति का स्तर इतना गिर चुका है कि ये लोग हमारी बेटी अंकिता भंडारी के दुखद मामले पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंकिता उत्तराखंड की बेटी थी, हमारी बहन थी। उसके परिवार का दुख हम सभी का दुख है। इस मामले में न्यायालय तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुना चुका है। माननीय उच्च न्यायालय ने भी उनकी जमानत याचिकाएँ खारिज की हैं। चार साल से जेल से एक दिन भी बाहर नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी ने ईमानदारी से जांच की और सभी को सजा हुई। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनकी मांग पर हमारी सरकार ने सीबीआई जाँच की सिफारिश भी की। उन्होंने कहा कि इस मामले में हमारा रुख स्पष्ट है कि न्याय की प्रक्रिया में हर सच सामने आना चाहिए और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पूछा कि किसी बेटी के दुखद मामले को अपनी डूबती हुई राजनीतिक नैया बचाने का जरिया बनाना उचित है? सरकार से सवाल पूछना लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन सवाल तथ्यों के आधार पर होने चाहिए। न्यायिक प्रक्रिया और पीड़ित परिवार की गरिमा का सम्मान भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारा स्पष्ट मत है कि किसी भी आपराधिक मामले में तथ्यों की निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए और कानून को पूरी निष्पक्षता से अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी को पुलिस, न्यायालय, एजेंसियों पर भरोसा होना चाहिए, एसआईआर पर बवाल किया। उन्होंने पूछा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का वोट होना चाहिए क्या?

उन्होंने कहा कि सम्मान और सशक्तिकरण के साथ-साथ क्षेत्र का विकास भी हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर कालाढूंगी के विकास से जुड़ी कुछ घोषणाएँ करते हुए कहा कि कालाढूंगी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 200 विद्युत पोलों की स्थापना की जाएगी।

कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गुजरौड़ा के नवाड़ तोक सैलानी में सड़क का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा।

कालाढूंगी में मिनी स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा।

कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र में गोडापड़ाव बाईपास मार्ग से ग्राम बजवालपुर-किशनपुर मार्ग का चौड़ीकरण कार्य किया जाएगा।

कालाढूंगी अस्पताल का उच्चीकरण किया जाएगा डी पर्यटन सत्र 2026-2027 में कार्बेट टाईगर रिजर्व पार्क में महिलाओं को राजगार प्रदान किये जाने के लिए 70 अतिरिक्त महिला जिप्सी का पंजीकरण भी किया जायेगा। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि इन सभी कार्यों से क्षेत्र की आधारभूत सुविधाएँ और बेहतर होंगी तथा स्थानीय लोगों को इन सभी योजनाओं का लाभ भी मिल सकेगा। उन्होंने राज्य की सभी माताओं-बहनों को ये विश्वास दिलाया कि आपका यह भाई, आपका यह बेटा, आपका मामा आपके अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निरंतर काम करता रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारा विकल्प रहित संकल्प है कि हमें उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना है, और मुझे पूरा विश्वास है कि इस संकल्प को पूरा करने में मेरी सब्जी माताओं-बहनों का आशीर्वाद और सहयोग हमें यूँ ही आगे भी मिलता रहेगा।

महिला शक्ति सम्मान समारोह में एशियाई मास्टर तैराकी में संतोषी गुर्रानी नमीता पाठक, निकिता सिंह, अंतर्राष्ट्रीय (तैराकी) में मोनी रावत, नेशनल मास्टर (एथलेटिक्स) में चंपा नैनवाल, टीचर (हैड) प्राथमिक में ममता गुप्ता, राष्ट्रीय खिलाड़ी में (कुश्ती, जूडो) गीतांजलि, राष्ट्रीय खिलाड़ी (खो-खो एथलेटिक्स) में हिना बिष्ट व नमिता, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी (तैराकी) में भार्गवी रावत, राष्ट्रीय खिलाड़ी (कुश्ती) में डौली बिष्ट, नेशनल गेम्स में (ताईकमांडो) भूमिका जयंतवाल को सम्मान किया गया।

वहीं नारी शक्ति सम्मान सम्मेलन में लखपति दीदी दमयंती बिष्ट को, उद्यान विभाग द्वारा पदमा बोहरा (मशरूम उत्पादन), महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा कंचन भंडारी, जिला उद्योग विभाग द्वारा मंजू रौतेला(एंपण कला), कृषि विभाग द्वारा सावित्री गर्जोला, वन विभाग द्वारा शिवानी रावत, तनुजा खानायत, डौली, पूजा, रूपा को क्रीडा विभाग द्वारा संतोषी गुरुरानी को एशिया (मास्टर तैराकी) के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रतिभा के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट, दिनेश आर्य, कैबीनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, विधायक बंशीधर भगत, सरिता आर्य, दीवान सिंह बिष्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल, मेयर गजराज बिष्ट, बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दर्जा राज्यमंत्री सुरेश भट्ट, डॉ.अनिल कपूर डब्बू, शंकर कोरंगा, शांति मेहरा, हुकुम सिंह कुंवर, देवेन्द्र ढेला, ब्लॉक प्रमुख मन्जु गौड़, भावना आर्य, मनीषा जन्तवाल, आईजी निवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, एसएसपी मन्जूनाथ टीसी, मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय सहित क्षेत्रीय जनता व जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

रानीपुर विधानसभा में भारतीय मजदूर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ चौधरी का भव्य स्वागत, श्रमिकों व वंचितों के अधिकारों को लेकर किया संबोधन

के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय मजदूर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष (उत्तराखंड) व राष्ट्रीय निगरानी समिति सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के पूर्व सदस्य मोहम्मद आरिफ चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में रानीपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में पहुंचे है। बैठक का आयोजन राजपूत विहार कॉलोनी, सलेमपुर, बहादराबाद स्थित राष्ट्रीय क्रिश्चियन एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कुमार के निवास स्थान पर उनके तत्वावधान में किया गया है। इस अवसर पर मोहम्मद आरिफ चौधरी का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मोहम्मद आरिफ चौधरी ने भारतीय मजदूर परिषद की विचारधारा एवं उद्देश्यों को उपस्थित लोगों के समक्ष विस्तार से रखा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर परिषद गरीबों, मजदूरों, श्रमिकों एवं वंचित वर्गों के हितों के साथ-साथ राष्ट्रहित में कार्य करने



के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भारतीय मजदूर परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र प्रधान के विचारों को भी उपस्थित लोगों के समक्ष साझा किया और कहा कि परिषद का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों, मजदूरों, गरीबों एवं वंचित वर्गों से जुड़े सामाजिक और आर्थिक विषयों को लोकतांत्रिक एवं कानूनी तरीके से संबंधित शासन प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखना है। मोहम्मद आरिफ चौधरी ने कहा कि भारतीय मजदूर परिषद श्रमिकों के अधिकार, सम्मान, शिक्षा एवं कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार, श्रमिकों की शिकायतों को उचित मंच तक पहुंचाने, गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सहायता दिलाने तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण के लिए कार्य करता है। इसके साथ ही संगठन महिलाओं एवं युवा श्रमिकों से जुड़े विषयों, सामाजिक जागरूकता और जनहित कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी निभाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने का भी भारतीय मजदूर परिषद का लक्ष्य है। जिस पर प्रत्येक परिषद का सदस्य कार्य कर रहा है। अपने संबोधन में मोहम्मद आरिफ चौधरी ने नशे के विरुद्ध अभियान को और अधिक तेज करने का संकल्प लेते हुए लोगों से जागरूक होने की अपील की है। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। साथ ही उन्होंने सभी से राष्ट्रहित एवं समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। वही भारतीय मजदूर परिषद के हरिद्वार जिला अध्यक्ष इस्लाम अब्बास ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं के समाधान और श्रमिकों एवं जरूरतमंदों की आवाज उठाने के लिए भारतीय मजदूर परिषद 24 घंटे तत्पर है। राष्ट्रीय क्रिश्चियन एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय एकता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया है।

अवैध असला सप्लाई करने आ रहे बदमाशों से पुलिस की हुई मुठभेड़

दो पिस्टल, जिंदा कारतूस एवं एक 315 बोर का तमंचा बरामद

- पुलिस की घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने की जानलेवा फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में लगी गोली
- मुठभेड़ के बाद 03 बदमाश पुलिस की गिरफ्त में, घायल बदमाश अस्पताल में भर्ती
- Ssp हरिद्वार द्वारा अस्पताल पहुंचकर ली गई घटनाक्रम की जानकारी एवं अधीनस्थों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश



के.के.पी संवाददाता

हरिद्वार। दिनांक 15.11.2026 को मुखबिर द्वारा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्रैंड लज्जा के पास कुछ बदमाश पिस्टल सप्लाई करने के लिए आने वाले हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर घेराबंदी कर एंबुश लगाया गया।

इस दौरान पुलिस टीम ने मौके से बदमाश विशाल एवं भूपेंद्र को पकड़ लिया, जबकि तीसरा बदमाश मुकुल पुलिस को देखकर गन्ने के खेत की ओर भाग गया। पुलिस टीम द्वारा पीछा किए जाने पर बदमाश मुकुल ने पुलिस पार्टी पर जानलेवा फायरिंग कर दी।

पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें बदमाश मुकुल के पैर में गोली लग गई। घायल को तत्काल उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया।

एसएसपी हरिद्वार द्वारा तत्काल अस्पताल पहुंचकर ली गई घटनाक्रम की जानकारी एवं अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

नाम पता बदमाश

1. विशाल पुत्र मगता उम्र 25 वर्ष, निवासी वाल्मीकि बस्ती, शिव मंदिर के पास, कोतवाली बहादराबाद, हरिद्वार
2. भूपेंद्र पुत्र विजय कुमार उम्र 23 वर्ष, निवासी मंसूरपुर झोरा, थाना मंसूरपुर, जनपद मुजफ्फरनगर
3. मुकुल पुत्र कन्हैया उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम बमोरी, पोस्ट बमोरी, थाना सरधना, जनपद मेरठ (घायल)

बरामदगी का विवरण:

बदमाश मुकुल के कब्जे से 02 पिस्टल एवं जिंदा कारतूस बरामद। बदमाश भूपेंद्र के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा बरामद।

नोट-पुलिस द्वारा बदमाशों से पूछताछ की जा रही है। इनके आपराधिक इतिहास एवं अवैध हथियारों की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड कर रहा विकास एवं सुशासन के नए आयाम स्थापित- रेखा आर्या





सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें कार्यकर्ता-रेखा आर्या

सोमेश्वर विधानसभा के स्याहीदेवी मंडल के रमड़ा, डांगीखोला, गुरना एवं कयाला शक्ति केंद्रों में आयोजित हुए सम्मेलन,भाजपा ने शक्ति केंद्र सम्मेलनों के जरिए तेज की आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी

के.के.पी संवाददाता

सोमेश्वर /अल्मोड़ा: राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत सोमेश्वर विधानसभा के स्याहीदेवी मंडल के शक्ति केंद्र रमड़ा, डांगीखोला, गुरना एवं कयाला में शक्ति केंद्र सम्मेलनों का आयोजन किया गया। इन सम्मेलनों में कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय विधायक रेखा आर्या ने प्रतिभाग कर पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के साथ संवाद किया। इस दौरान प्रदेश की 26 वर्षों की विकास यात्रा, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखंड की 26 वर्षों की विकास यात्रा हमारे पूर्वजों के सपनों, राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और प्रदेशवासियों के संकल्प का परिणाम है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली, महिला सशक्तिकरण, बाल विकास, युवाओं के रोजगार एवं स्वरोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में सरकार द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सरकार की योजनाओं के माध्यम से गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुंच रही है और आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

रेखा आर्या ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को प्रत्येक गांव, बूथ और परिवार तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।कार्यकर्ताओं का समर्पण, जनता के बीच निरंतर संपर्क और सरकार के कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कैबिनेट मंत्री ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कहा कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का अवसर है। इसके लिए अभी से संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में भी ऐतिहासिक विजय हासिल करेगी।सम्मेलनों के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, बूथ स्तर पर पार्टी की पहुंच मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जुटने का आह्वान भी किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, स्याहीदेवी मंडल अध्यक्ष गणेश जलाल, सुंदर राणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेंद्र नयाल, वीरेंद्र चिलवाल, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष हरीश बिष्ट, विधायक प्रतिनिधि भुवन जोशी, नवीन आर्या, आशु बिष्ट (पहाड़ी आमा), राहुल खोलिया, भूपेंद्र भोज, गोपाल खोलिया, प्रकाश डांगी, अर्जुन बिष्ट, हेम चंद जोशी, ललित तिवारी, नरेंद्र बिष्ट, कमल गिरी, जोगा डांगी, गणेश अधिकारी, रोहित रावत, बहादुर सिंह बिष्ट, प्रकाश जीना सहित पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जुहापुरा में एमडी ड्रग्स की फैक्टरी का भंडाफोड़, कच्चा माल, केमिकल समेत उपकरण जब्त

अहमदाबाद। गुजरात में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अहमदाबाद के जुहापुरा इलाके में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्टरी का पर्दाफाश किया है। सरखेज के जुहापुरा स्थित मोहम्मदी पार्क के पास एक मकान के बेसमेंट में कथित तौर पर यह फैक्टरी संचालित की जा रही थी। एनसीबी की टीम ने तड़के छापेमारी कर मौके से ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला करोड़ों रुपये का कच्चा माल, केमिकल और उपकरण जब्त किए हैं। मामले में मकान मालिक को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के मुताबिक, एनसीबी की टीम ने जुहापुरा के लब्बेक पार्क इलाके में स्थित मकान नंबर एल-2/13 पर दबिश दी।

तलाशी के दौरान मकान के बेसमेंट में एमडी ड्रग्स बनाने का कथित सेटअप मिला। टीम ने वहां से बड़ी मात्रा में कच्चा माल, रासायनिक पदार्थ और ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए। जब्त सामग्री की कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक मात्रा और कीमत की पुष्टि होना बाकी है।

जांच के दौरान एनसीबी को पता चला कि हिरासत में लिया गया मकान मालिक बोपल इलाके में एक कॉफी शॉप भी चलाता है। इसके बाद एजेंसी की टीम ने कॉफी शॉप पर भी सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि कॉफी शॉप और कथित ड्रग्स फैक्टरी के बीच कोई वित्तीय या अन्य संबंध है या नहीं।

कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस की टीम भी जुहापुरा पहुंची। फिलहाल एनसीबी जब्त कच्चे माल के स्रोत, ड्रग्स निर्माण में शामिल अन्य लोगों और तैयार एमडी ड्रग्स की सप्लाई चेन की जांच कर रही है। एजेंसी यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस कथित फैक्टरी में कब से उत्पादन हो रहा था और तैयार नशीले पदार्थ कहां-कहां भेजे जाते थे।

केसरवानी सम्मान समारोह एवं खेल महोत्सव का आयोजन

के.के.पी संवाददाता

केसरवानी सम्मान समारोह एवं खेल महोत्सव का आयोजन परिणय वाटिका बैंकट हॉल नियर ट्रांसपोर्ट नगर रामपुर रोड हल्द्वानी में किया गया है 7 जिसमे केसरवानी समाज की महिलाओं एवं बच्चों पुरुषों ने मन से खेल में हिस्सा लिया और खूब आनंद लिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथिविधायक वंशीधर भगत ,सुमित हृदयेश ,मोहन सिंह बिष्ट और सांसद दिनेश आर्य मेयर प्रत्याशी रहे ललित जोशी शामिल हुए इनका बहुत बहुत आभार है ।इस कार्यक्रम में केसरवानी समाज के सभी बुजुर्गों का अभिनंदन एवं सम्मान स्मरण चिह्न देकर किया गया ।इन बुजुर्गों में मांगतराम गुप्ता , बद्री प्रसाद, राम दुलारे ,अयोध्या



प्रसाद ,सरयू देवी ,बाबूलाल केसरवानी ,हरिश्चंद्र केसरवानी ,का सम्मान हुआ ।केसरवानी समाज के कुछ प्रतिभाओं का डॉक्टर सीए सीएस का भी सम्मान स्मरण चिह्न देकर किया गया*।इनमे डॉ शिवानी गुप्ता , सीए अमन केसरवानी , डॉ राहुल गुप्ता, डॉ अंकिता गुप्ता और डॉ कीर्ति केसरवानी , ईशा केसरवानी , डॉ पूजा केसरवानी , देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री राजकुमार केसरवानी ,का सम्मान किया गया । इस कार्यक्रम में उत्तराखंड केसरवानी वैश्य सभा अध्यक्ष भोलानाथ केसरवानी महामंत्री सुरेश केसरवानी केसरवानी महिला समिति की अध्यक्ष कुसुमलता केसरवानी ,महामंत्री मीरा केसरवानी, कोषाध्यक्ष शालिनी गुप्ता मौजूद रही ।

पुलिस अधिकारियों को नालायक कहने पर बवाल, BJP नेता के खिलाफ कांग्रेस-एनसी ने खोला मोर्चा

जम्मू-कश्मीर । किश्तवाड़ में 2 पुलिस अधिकारियों की हत्या के बाद जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा की आलोचना की है। आरोप है कि सुरक्षा अधिकारियों के साथ तीखी बहस के दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों के लिए नालायक और नाअहल (अक्षम) जैसे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा कि एक IPS अधिकारी को फटकार लगाते समय भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, और बाद में इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला, उससे पूरी जम्मू-कश्मीर पुलिस का अपमान हुआ है। एनसी नेता डार ने कहा, 'मैं



उनकी निराशा को तो समझ सकता हूं, लेकिन उनका गुस्सा उन लोगों पर निकलना चाहिए था, जो जम्मू-कश्मीर में कानून-व्यवस्था संभाल रहे हैं - यानी गृह मंत्री और उपराज्यपाल।' जम्मू संभाग के किश्तवाड़ जिले के रहने वाले एसपीओ बाबी चंद और रशपाल कुमार गुरुवार सुबह दच्छन वन क्षेत्र में मृत पाए गए। वे एक दिन पहले, पास की मरवाह तहसील के बसनांद में एक सुरक्षा चौकी पर जाते समय लापता हो गए थे। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंदर शर्मा ने इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने इन हत्याओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और गहन जांच की मांग की। साथ ही, उन्होंने पुलिस और सुरक्षा बलों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाने के लिए भाजपा नेताओं की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणियां जनता के बीच गलत संदेश भेजती हैं। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि क्षेत्र में उग्रवाद पर लगाम लगाने के लिए सुरक्षा बलों ने कई बलिदान दिए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, 'सुरक्षा के लिए सीधे तौर पर गृह मंत्रालय और उपराज्यपाल के नेतृत्व वाला प्रशासन जिम्मेदार है। अगर भाजपा नेता सवाल उठा रहे हैं, तो वे ये सवाल गृह मंत्रालय और उपराज्यपाल से ही पूछ रहे हैं।'

उन्होंने सरकार के हालात सामान्य होने के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुलगाम और किश्तवाड़ में आतंकी घटनाएं कुछ ही घंटों के अंतराल पर हुईं। इस बीच, कुलगाम में सीआरपीएफ पर हाल में हुए हमले के बारे में फेसबुक पर झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने को लेकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस के संज्ञान में आया कि मोमिन उल इस्लाम की ओर से संचालित फेसबुक पेज 'बांदीपोरा वाला' पर 11 नवंबर को हुए हमले में सीआरपीएफ के तीन जवानों के मारे जाने का दावा करते हुए मनगढ़ंत जानकारी पोस्ट की गई थी। ऐसी झूठी जानकारी फैलने से लोगों में बेवजह दहशत पैदा होने और शांति और जनता के विश्वास को प्रभावित होने की आशंका थी।

स्पैम कॉल पर ट्राई का बड़ा एक्शन

तीन महीने में 1.24 लाख नंबरों पर लगी रोक, 374 कंपनियां हुईं ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली। मोबाइल फोन पर आने वाली अनजान कॉल और बार-बार मिलने वाले प्रमोशनल मैसेज से परेशान लोगों के लिए टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने सख्ती बढ़ा दी है। जुलाई से सितंबर 2026 के बीच अनचाहे कमर्शियल कम्युनिकेशन नियमों का उल्लंघन करने वाले 1.24 लाख से ज्यादा टेलीकॉम कनेक्शन और दूसरे संसाधनों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा 374 संस्थाओं को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया है। ट्राई की वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही की रिपोर्ट में ये



आंकड़े सामने आए हैं।

ट्राई की रिपोर्ट के मुताबिक, स्पैम नियमों का पहली बार उल्लंघन करने वाले 1,10,325 टेलीकॉम कनेक्शन को 15 दिनों के लिए आउटगोइंग सर्विस से बंद किया गया। वहीं, बार-बार नियम तोड़ने वाले 13,777 कनेक्शन को एक साल के लिए डिस्कनेक्ट कर दिया गया। इसके अलावा 3,725 एसएमएस हेडर ब्लॉक किए गए और 374 स्पैम भेजने वाली संस्थाओं को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया। इस अवधि में ये संस्थाएं नए टेलीकॉम रिसोर्स भी नहीं ले सकेंगी।

तीन महीने में मिलीं 15.29 लाख स्पैम शिकायतें

रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई से सितंबर के बीच ट्राई को अनचाहे कमर्शियल कॉल और मैसेज से जुड़ी कुल 15.29 लाख शिकायतें मिलीं।

ब्रिटिश सरकार ने भारत को दिया बड़ा झटका, भगोड़ों को बनाया जा रहा ब्रिटिश नागरिक

आईपीएल फाउंडर ललित मोदी को नागरिकता...माल्या की फाइल दौड़ी

लंदन। भारत में भगोड़ा घोषित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी अब ब्रिटिश नागरिक बन गए हैं। ब्रिटेन सरकार के इस कदम को भारत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। खास बात यह है कि विजय माल्या को भी ब्रिटिश नागरिकता दिए जाने की कवायद शुरू होने की चर्चा है। दूसरी ओर, भारत सरकार दोनों को वापस लाने के लिए लंबे समय से प्रत्यर्पण की कोशिश कर रही है। हालांकि ललित मोदी और विजय माल्या की विदेशी नागरिकता का मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत दोनों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, किसी व्यक्ति की नागरिकता बदलने से उसके खिलाफ चल रही आपराधिक जांच या प्रत्यर्पण की प्रक्रिया स्वतः खत्म नहीं होती। प्रत्यर्पण का फैसला संबंधित देशों के कानून, उपलब्ध साक्ष्यों और अदालतों की प्रक्रिया के आधार पर होता है। इसलिए ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बावजूद ललित मोदी के भारत लौटने और उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई का मामला अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाओं के तहत ही तय होगा।

ललित मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खुलासा किया कि उन्हें 15 सितंबर 2026 को ब्रिटिश नागरिकता मिल गई थी। उन्होंने बताया कि उनकी भारतीय नागरिकता दो साल पहले ही समाप्त हो गई थी। मार्च 2025 में उन्होंने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश वानुआतु की नागरिकता हासिल की थी, लेकिन बाद में वहां के प्रधानमंत्री ने उनका पासपोर्ट रद्द करवा दिया था। ललित मोदी वर्ष 2010 में भारत छोड़कर लंदन चले गए थे। आईपीएल में वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और बोली में हेराफेरी जैसे आरोपों के बाद से वह ब्रिटेन में रह रहे हैं। भारत में उनके खिलाफ जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है। ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद उनकी कानूनी स्थिति और भारत प्रत्यर्पण की संभावनाओं को लेकर नए सवाल खड़े हो गए हैं।

अन्तर्राज्यीय सीमा पर अपराध एवं नशा तस्करी की रोकथाम को लेकर उत्तराखण्ड-हिमाचल पुलिस की बॉर्डर मीटिंग

उत्तरकाशी। आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सकुशल सम्पन्न कराने तथा अन्तर्राज्यीय सीमा पर आपराधिक गतिविधियों और नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड एवं हिमाचल प्रदेश पुलिस के अधिकारियों द्वारा आज 15 नवम्बर 2026 को हनोल में बॉर्डर मीटिंग आयोजित की गयी।

बैठक में दोनों राज्यों के पुलिस अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने, अन्तर्राज्यीय सीमाओं पर निगरानी बढ़ाने तथा मादक पदार्थों की तस्करी सहित



अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु प्रभावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता एवं निगरानी बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा वांछित एवं सक्रिय अपराधियों का आपसी विवरण साझा करने पर भी सहमति बनी। अधिकारियों ने दोनों राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान एवं संयुक्त प्रयासों के माध्यम से अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

बॉर्डर मीटिंग में डीएसपी जुब्बल श्री प्रवण सिंह, एसएचओ जुब्बल, थानाध्यक्ष मोरी श्री दीपक रावत, थानाध्यक्ष त्यूणी श्री कुलदीप शाह सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अबू धाबी में शांति वार्ता के दौरान अमेरिका ने रखा था सुझाव

नाटो की सदस्यता के बदले यूक्रेन डोनबास रूस को सौंपे

कीव। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा है, जिस पर नया विवाद खड़ा हो सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो की सदस्यता देने के बदले पूर्वी क्षेत्र डोनबास से अपनी सेना हटाने और इस इलाके को रूस के हवाले करने का सुझाव दिया है। हालांकि, जेलेंस्की ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन अपनी जमीन छोडऩे को तैयार नहीं है। जेलेंस्की के कार्यालय की ओर से शनिवार को जारी बयान के मुताबिक, अबू धाबी में रूस, यूक्रेन और अमेरिका के अधिकारियों के बीच हुई शांति वार्ता के दौरान अमेरिकी प्रतिनिधियों ने पहली बार यह प्रस्ताव रखा। अमेरिकी अधिकारियों ने उनसे पूछा था कि यदि यूक्रेन को नाटो की सदस्यता मिलती है और सुरक्षा की गारंटी दी जाती है, तो क्या वह डोनबास से अपनी सेना हटा सकता है? जेलेंस्की ने कहा कि किसी भी शांति समझौते में यूक्रेन की सुरक्षा सबसे अहम है। केवल आश्वासन के आधार पर देश की जमीन छोडऩे का फैसला नहीं लिया जा सकता।

जनता तय करेगी, मैं अकेले फैसला नहीं ले सकता

जेलेंस्की ने कहा कि यदि अमेरिका और नाटो के दूसरे सहयोगी देश यूक्रेन को सुरक्षा की ठोस गारंटी देते हैं, तो वह इस प्रस्ताव को जनता के सामने रख सकते हैं। इसके लिए जनमत संग्रह कराने का विकल्प भी मौजूद है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और नाटो के दूसरे सहयोगी हमें सुरक्षा की पक्की गारंटी देते हैं, तो मैं यूक्रेन के लोगों से पूछूंगा कि क्या हमें यह प्रस्ताव मंजूर है या नहीं। मुझे इतना बड़ा फैसला अकेले लेने का अधिकार नहीं है। इस बयान से साफ है कि यूक्रेन सरकार किसी भी संभावित समझौते को लेकर घरेलू जनमत और सुरक्षा गारंटी को महत्वपूर्ण मान रही है। हालांकि, जेलेंस्की ने क्षेत्र छोडऩे पर सहमति नहीं दी है।

डोनबास यूक्रेन का पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र है। इसमें डोनेत्स्क और लुहांस्क शामिल हैं। रूस लंबे समय से इस पूरे इलाके पर नियंत्रण चाहता है। फिलहाल इसके बड़े हिस्से पर रूसी सेना का कब्जा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के नाटो में शामिल होने का लगातार विरोध करते रहे हैं। उनका तर्क है कि नाटो का पूर्व की ओर विस्तार रूस की सुरक्षा के लिए खतरा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के पीछे रूस ने नाटो में यूक्रेन की संभावित सदस्यता को भी प्रमुख कारणों में शामिल किया था।

यूएन में मौत की सजा पर रोक का प्रस्ताव पारित

न्यूयॉर्क। दुनिया में मौत की सजा खत्म करने की मुहिम को संयुक्त राष्ट्र महासभा में बड़ा समर्थन मिला है। शुक्रवार को महासभा में फांसी पर रोक लगाने और धीरे-धीरे मृत्युदंड खत्म करने का प्रस्ताव 133 देशों के समर्थन से पारित हो गया। हालांकि, भारत समेत 33 देशों ने इसके विरोध में मतदान किया, जबकि 16 देश मतदान से दूर रहे। भारत ने साफ कहा कि मौत की सजा खत्म करने को लेकर दुनिया में कोई सर्वमान्य सहमति नहीं है। कानूनी प्रक्रिया के तहत दी जाने वाली फांसी को सरकारी हत्या या यातना बताना उचित नहीं है। यह प्रस्ताव मेक्सिको की ओर से पेश किया गया था। इसमें सभी देशों से मृत्युदंड पर रोक लगाने और अंततः इसे पूरी तरह समाप्त करने की अपील की गई। भारत के अलावा अमेरिका, चीन, पाकिस्तान, जापान, ईरान और सऊदी अरब जैसे देशों ने भी प्रस्ताव का विरोध किया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि मृत्युदंड समाप्त करने को लेकर सदस्य देशों के बीच कोई सहमति नहीं है।

स्वामी/ प्रकाशक / मुद्रक
प्रमोद कुमार ने जय माँ गंगा प्रिंटर्स, हरिद्वार से मुद्रित कराकर कार्तिकेय कॉलोनी, फेस-3, दर्पण स्कूल वाली गली, निकट हनुमान मंदिर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी जनपद-नैनीताल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।
सम्पादक
प्रमोद कुमार
मो.7830201066
सह-सम्पादक
दया जोशी
मो.9412135616